हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 14 ■ नई दिल्ली 16 से 22 जनवरी 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

नयनतारा और विग्नेश शिवन ने अजित कुमार का किया सपोर्ट

नितिन नबीन बने भाजपा के 12वें अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आज नितिन नबीन के रूप में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल गया। भाजपा के दीनदयाल मार्ग स्थित मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया का संचालन कर रहे मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ के लक्ष्मण ने मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे श्री नबीन के भाजपा के 12 वें अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की। घोषणा होने के साथ ही वहां बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी के कार्यकर्ताओं में हर्ष छा गया। उन्होंने ढोल बजा कर और नारेबाजी करके खुशी का इजहार किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नितिन नबीन को पुष्पमाला पहना कर उन्हें भाजपा अध्यक्ष बनने की बधाई एवं यशस्वी नेतृत्व की शुभकामनाएं दी। निवर्तमान अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भी श्री नबीन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। भाजपा मुख्यालय में इस मौके पर मंच पर पूर्व भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे। उन्होंने भी नितिन नबीन को बधाई दी।

श्री नड्डा ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन पदभार संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह महान पार्टी, जिसे श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में जनसंघ के तौर पर आगे बढ़ने का सौभाग्य मिला। इसी को आगे अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, कुशाभाऊ ठाकरे ने भाजपा के तौर पर आगे बढ़ाया।

नड्डा ने कहा कि आज बहुत ही ऐतिहासिक अवसर है, जब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में हमारे नौजवान, ऊजार्वान, प्रतिभावान नितिन नबीन ये पदभार संभाल रहे हैं।उन्होंने कहा, 'नितिन नबीन जो मूलतः कार्यकर्ता हैं, वैचारिक पृष्ठभूमि पर परिपक्व हैं और बहुत ही छोटी उम्र में पांच बार विधायक रह चुके हैं और वर्तमान में भी विधायक हैं। बिहार सरकार में कई बार मंत्री रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय युवा मोर्चा के महासचिव के रूप में आपको सारे देश का भ्रमण करने का मौका मिला, उन्होंने सारे देश को समझा। आप सिक्किम के प्रभारी रहे और आप छत्तीसगढ़ के भी प्रभारी रहे, जहां उन्होंने भाजपा सरकार लाने में बहुत बड़ा योगदान किया। ऐसे नौजवान, ऊजार्वान, प्रतिभावान व्यक्तित्व ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है।

उल्लेखनीय है कि 16 जनवरी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचन कार्यक्रम की अधिसूचना जारी की गई थी और उसी दिन निर्वाचन सूची का प्रकाशन किया गया था। इसी के अनुरूप नामांकन प्रक्रिया सोमवार 19 जनवरी को अपराह्न 2 से शाम 4 बजे तक पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय में चली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार के रूप में सिर्फ कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने नामांकन किया था। अध्यक्ष पद के लिए कुल 37 सेटों में नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जो सभी नितिन नबीन के पक्ष में थे।

नितिन नवीन पार्टी से संबंधित मामलों में मेरे 'बॉस' हैं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि पार्टी से संबंधित मामलों में यह युवा नेता उनका 'बॉस' होगा।

यहां पार्टी मुख्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने 45 वर्षीय नवीन को एक 'मिलेनियल' बताया, जो उस पीढ़ी से ताल्लुक रखते हैं जिसने भारत में बहुत सारे बदलाव देखे हैं।

नवीन को संगठन पर्व के समापन पर पार्टी मुख्यालय में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया, जिसमें बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के विभिन्न पार्टी पदों के लिए चुनाव हुए।

मोदी ने कहा, जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब माननीय नितिन नवीन जी..मैं एक कार्यकर्ता हूं और आप मेरे बॉस हैं।

उन्होंने कहा, अब माननीय नितिन नवीन जी हम सभी के अध्यक्ष हैं और उनका दायित्व सिर्फ भाजपा को संभालना ही नहीं है बल्कि राजग के सभी साथियों के बीच तालमेल का दायित्व भी उन्हें संभालना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नवीन उस युग से ताल्लुक रखते हैं जिसमें लोग बचपन में रेडियो पर खबरें सुनते थे और अब कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करने में माहिर हैं। मोदी ने कहा, नितिन जी में युवा ऊर्जा और भरपूर अनुभव दोनों हैं।

नौसेना ने दस महीने लंबा अंतरमहाद्वीपीय समुद्री अभियान प्रारंभ किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना का सेल ट्रेनिंग शिप आईएनएस सुदर्शिनी मंगलवार को दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि स्थित नौसैनिक अड्डे से रवाना हुआ। यह शिप 'लोकायन-26' नामक ऐतिहासिक अंतरमहाद्वीपीय नौकायन अभियान के लिए रवाना हुआ है। यह दस माह का एक दीर्घकालिक वैश्विक समुद्री अभियान है।

यह नौसैनिक अभियान भारत की समृद्ध नौसैनिक परंपरा को विश्व पटल पर प्रदर्शित करेगा। इसके साथ ही साथ यह अभियान महासागरों के पार सहयोग, विश्वास और मित्रता के सेतु निर्माण का संदेश भी देता है। इस अभियान की भावना ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल और विजन ह्यमहासागरह्ल से प्रेरित है। ह्यसुदर्शिनीह्ल अपनी इस 10 महीने लंबी यात्रा के दौरान कुल 13 देशों के 18 विदेशी बंदरगाहों पर पहुंचेगा।

'सुदर्शिनी' फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों में आयोजित विशेष अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी शामिल होगा। 13 देशों के 18 विदेशी बंदरगाहों से गुजरते हुए नौसेना का शिप 'सुदर्शिनी' 22,000 नॉटिकल मील से अधिक की यात्रा करेगा। आईएनएस सुदर्शिनी अंतरराष्ट्रीय टॉल-शिप कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेगा। टॉल-शिप कार्यक्रमों के तहत 'सुदर्शिनी' एस्केल ए सेट फ्रांस में और अमेरिका के न्यूयॉर्क में एसएआईएल 250 में हिस्सा लेगा।

भारतीय तट से रवाना होते समय अभियान का ध्वजारोहण नौसेना के वाइस एडमिरल फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान समीर सक्सेना ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 'लोकायन 26' भारत की वैश्विक समुद्री आकांक्षाओं और भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता, विशेषकर महासागरीय नौकायन प्रशिक्षण, के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। यह यात्रा भारत की बढ़ती समुद्री उपस्थिति और अंतरराष्ट्रीय समुद्री गतिविधियों में उसकी सक्रिय भूमिका को रेखांकित करती है।

वाइस एडमिरल सक्सेना ने आईएनएस सुदर्शिनी को भारत के 'वैश्विक राजदूत' के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल समुद्रों और सीमाओं को पार करने तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में 'मैत्री के पुल' स्थापित करने का माध्यम है। पारंपरिक विदाई समारोह के दौरान तीन मस्तूलों वाली बार्क आईएनएस सुदर्शिनी ने नौसेना बैंड की प्रेरक धुनों के बीच अपने पाल खोलते हुए यात्रा का शुभारंभ किया। यह दृश्य भारत की समुद्री विरासत, अनुशासन और साहस का जीवंत प्रतीक बना।

भारत लोकतंत्र की जननी, प्राचीन काल से ही हमारे यहां रही है मतदान की परंपरा : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम) 2026 शुरू किया।

यह तीन दिवसीय सम्मेलन लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में भारत द्वारा आयोजित अपनी तरह का सबसे बड़ा वैश्विक आयोजन होने वाला है, जिसमें दुनिया भर से चुनाव प्रशासक, नीति निमार्ता, शिक्षाविद और विशेषज्ञ एक साथ आएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए भारत की प्राचीन लोकतांत्रिक प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अगुवाई में बुधवार को ईसीआई ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर, भारत मंडपम में आयोजित आईआईसीडीईएम 2026 के आधिकारिक स्वागत समारोह में 40 से अधिक देशों के सम्मानित मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

उद्घाटन सत्र में सभा को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, आज मैं नई दिल्ली में हो रहे इस तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए आपके सामने खड़ा हूं। सबसे पहले, मैं हमारे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत करता हूं। जैसा कि हम अक्सर कहते हैं, भारत लोकतंत्र की जननी है। जब आप इस हॉल से बाहर निकलेंगे, तो आप देखेंगे कि बैकग्राउंड में स्तूप और अशोक स्तंभ हैं, जो लोकप्रिय रूप से लगभग 600 ईसा पूर्व के लोकतांत्रिक विचारों की शुरूआती नींव से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन के बैकग्राउंड में अथर्ववेद का एक संस्कृत श्लोक भी था, जो वर्तमान युग से एक सहस्राब्दी से भी पहले का है, जिसमें ग्राम समितियों और कमेटियों के बारे में बताया गया है।

उन्होंने कहा, बैकड्रॉप में कुडावोलाई का भी जिक्र है, जो वोटिंग की एक पुरानी प्रणाली है, जिसका जिक्र तमिल शिलालेखों और मूर्तियों में मिलता है, जो मौजूदा दौर से लगभग हजार साल पुरानी हैं।

लोकतंत्र को मजबूत करने की कुंजी है शुद्ध मतदाता सूची: ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विपक्षी दलों द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाए जाने की पृष्ठभूमि में बुधवार को कहा कि शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र को मजबूत करने की कुंजी है। उन्होंने यहां चुनाव प्रबंधन निकायों के एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए इस बात का उल्लेख भी किया कि पिछले साल बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को शामिल करने या उनके नाम हटाने को चुनौती देने वाली एक भी शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। कुमार ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के दो चरणों में एक लाख मतदान केंद्रों में से एक पर भी पुनर्मतदान का आदेश नहीं दिया गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, कानून के अनुसार प्रत्येक मतदाता सहित शुद्ध मतदाता सूची, लोकतंत्र को मजबूत करने और उस मतदाता सूची के आधार पर होने वाले सभी चुनावों के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गहन सार्वजनिक छानबीन के बीच बिहार में मतदाता सूची को संशोधित किया गया। उनके मुताबिक, मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण से लेकर चुनावों के संचालन तक, स्थानीय चुनाव मशीनरी द्वारा बड़े स्तर की दक्षता हासिल की गई।

कैबिनेट ने अटल पेंशन योजना को 2031 तक जारी रखने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बुधवार को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया तथा इसके प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और अंतर वित्तपोषण के लिए सरकारी सहायता बढ़ाने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय से असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को वृद्धावस्था में नियमित आय सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कैबिनेट के फैसले के अनुसार योजना को 2030-31 तक जारी रखा जाएगा। इसके अंतर्गत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक योजना की पहुंच बढ़ाने के लिए जनजागरूकता, क्षमता निर्माण जैसी प्रचार एवं विकासात्मक गतिविधियों के लिए सहायता दी जाएगी। साथ ही योजना की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अंतर वित्तपोषण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

भारत की बेटियां हर क्षेत्र में बना रही हैं नये रिकार्ड : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि श्री मोदी ने कहा कि जिस देश में पुत्रियों को लक्ष्मी के समान पूजा जाता है, वहां आज से 11 वर्ष पहले इसी दिन 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान आरंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने बेटियों के महत्व पर आधारित शाश्वत भारतीय मूल्यों को प्रतिबिंबित करते हुए कहा कि एक पुत्री दस पुत्रों के समान है और दस पुत्रों से प्राप्त पुण्य या सद्गुण एक पुत्री से भी प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा "कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले आज ही के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नये रिकॉर्ड बना रही हैं। उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरूआत 22 जनवरी 2015 को हुई थी।

जामनगर के लतीपुर गांव में विकास और फाई पर सवाल, न्याय एवं अधिकार समिति ने उठाया मुद्दा

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः न्याय एवं अधिकार समिति गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री परसोतमभाई एन. मुंगरा तथा जामनगर तालुका उपाध्यक्ष श्रीमती आशाबेन ए. सोजित्रा द्वारा न्याय एवं अधिकार समिति के माध्यम से ध्रोल तालुका के लतीपुर गांव में पंचायत के जरिए सफाई, विकास तथा विभिन्न समस्याओं को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इस संबंध में जामनगर कलेक्टर श्री तथा तालुका विकास अधिकारी को अवगत कराया जाएगा।

गुजरातः- लतीपुर गांव, जामनगर जिले के ध्रोल तालुका का एक ऐसा गांव है जो गंदगी से भरा हुआ है। यहां सफाई का भारी अभाव है। गांव की सड़कों की सफाई बिल्कुल नहीं होती। गंदगी के कारण यहां की जनता त्राहिमाम पुकार रही है। इस गांव के सरपंच को सफाई और गांव के विकास में बिल्कुल भी रुचि नहीं है, ऐसा स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। गांव का विकास, सफाई, पानी, नाली, बिजली, गांव की सड़कें आदि की जिम्मेदारी गांव के सरपंच की होती है। इन कार्यों के लिए सरकारी अनुदान (ग्रांट) का उपयोग किया जाता है। यदि इस गांव में इन कार्यों के लिए अनुदान नहीं आया है तो हमें इसकी जानकारी दी जाए, हम इसे गुजरात सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

लतीपुर गांव ध्रोल तालुका और जामनगर जिले का सबसे बड़ा गांव है, लेकिन विकास के नाम पर यहां कुछ भी दिखाई नहीं देता।

यदि गांव में अनुदान आया है तो वह कहां खर्च किया गया, यह एक बड़ा सवाल है। गांव बड़ा है लेकिन विकास नहीं है। सबसे बड़ी समस्या गांव की सफाई है। जहां देखो वहां गंदगी ही गंदगी फैली हुई है। इस विषय पर गांव के सरपंच पूरी तरह निष्क्रिय क्यों हैं, यह भी एक सवाल है। गांव के लोगों का कहना है कि यहां नियमित सफाई नहीं होती। जगह-जगह कूड़े के ढेर और गंदगी नजर आती है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। इस विषय में गांव के जागरूक नागरिकों ने भी प्रस्तुतियां दी हैं। गांव को ह्लगोकुल जैसा स्वच्छह्व बनाने का एक मजबूत संकल्प है, लेकिन लतीपुर मेन रोड से लेकर गांव के अंदरूनी रास्तों तक, दोनों तरफ भारी गंदगी फैली हुई है।गांव के बाहरी क्षेत्र (पादर) और गांव के भीतर अत्यधिक गंदगी है, जिसकी तुरंत सफाई की आवश्यकता है। मीडिया मित्र, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता आदि इस गांव का दौरा करते हैं, लेकिन गांव की स्थिति देखकर निराशा होती है। हर जगह सड़कों के दोनों ओर कूड़े के ढेर दिखाई देते हैं। गांव में कूड़ेदान तक नहीं लगाए गए हैं। इस सबको देखते हुए यह स्पष्ट है कि गांव के सरपंच और पंचायत सदस्य पूरी तरह निष्क्रिय हैं।

इस मामले में तालुका विकास अधिकारी, कलेक्टर आदि को गांव की स्वयं करनी चाहिए और सरपंच को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना चाहिए। गांव का विकास क्यों नहीं हुआ, इसकी जांच होनी चाहिए। गांव में रोशनी बढ़ाने के लिए जहां बिजली के पोल हैं वहां स्ट्रीट लाइट और ट्यूबलाइट लगाई जानी चाहिए। गांव के सभी पेड़ों को एक मीटर की ऊंचाई तक रंग-रोगन किया जाना चाहिए।

पानी के अवाड़े आदि की भी नियमित सफाई होनी चाहिए। लतीपुर गांव में शराब के अड्डे तथा अंग्रेजी शराब की बिक्री बहुत अधिक हो रही है, जिसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। गांव के लोगों का कहना है कि बाहर से आने वाले लोग शराब पीकर गांव में दादागिरी और गुंडागर्दी करते हैं, जिस पर रोक लगनी चाहिए। इन सभी समस्याओं को लेकर गांव पंचायत के सरपंच, पंचायत सदस्य, तालुका पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक नेता, विधायक श्री, ध्रोल तालुका पंचायत प्रमुख तथा गांव के वरिष्ठ नागरिकों और वाडी क्षेत्र में रहने वाले गांव के नेताओं को एक बैठक कर जल्द से जल्द समाधान के लिए विशेष चर्चा (प्रेस वार्ता/बैठक) आयोजित करनी चाहिए। तभी गांव का विकास संभव होगा, अन्यथा समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकलेगा।

अब गांव की जनता को भी निर्भीक होकर जागरूक होना पड़ेगा। गांव में बाहर से आए लोगों की संख्या अधिक है, जो बाजारों में मनमर्जी से कचरा फेंकते हैं, जिससे गंदगी बढ़ रही है। गांववासियों की शिकायतें सुनना और उनका उचित समाधान करना सरपंच की जिम्मेदारी है, क्योंकि सरपंच जनता के प्रतिनिधि होते हैं।

जामनगर जिले के सभी गांवों में सफाई, अतिक्रमण, गली-मोहल्लों में कचरा, लाइट, पानी, नाली और सड़क जैसी समस्याएं हैं। इन सभी मामलों में गांव के लोगों को अपने-अपने सरपंच को जानकारी देनी चाहिए और समाधान की मांग करनी चाहिए।

यदि गांव के विकास कार्यों में भ्रष्टाचार हुआ है तो गांववासियों को निर्भीक होकर उसे उजागर करना चाहिए। किसी भी भारतीय नागरिक को कहीं भी भ्रष्टाचार को उजागर करने का पूरा अधिकार है। हमारा मुख्य उद्देश्य गांव का विकास करना तथा भ्रष्टाचार-मुक्त गांव, शहर, राज्य और देश बनाना है। न्याय एवं अधिकार समिति गुजरात।

एक नजर

ओमनी वैन और ऑटो की हुई भीषण टक्कर, 7 लोग गंभीर रूप से हुए घायल

रोहन सिंह/उत्तर प्रदेशः कानपुर नगर उत्तर प्रदेश घाटमपुर क्षेत्र पतरा के धरमपुर बंबा स्थित रिंद नदी पुल पर ओमनी वैन ऑटो से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इसमें 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए राज हीरो की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से विध्नों स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उपचार होने के बाद घायलों को गंभीर हालत होने पर उन्हें जिला अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद कानपुर सागर हाईवे में 1 किलोमीटर तक जाम लग रहा और कुछ समय तक यातायात बाधित रहा इस दुर्घटना में घायल महेश कुमार दिलीप अनुज अच्छेलाल व अनुराग राज प्रदीप घायल हुए हैं। घाटमपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए कानपुर भेज दिया गया है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महा हिंदू सम्मेलन के प्रचार हेतु भव्य बाइक रैली, जय श्रीराम के लगे नारे

अंकित कुमार सुथार/राजस्थानः मंडार आगामी 25 तारीख को आयोजित होने वाले महा हिंदू सम्मेलन के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आज दिनांक 21 तारीख को भव्य महा बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली मंडार स्थित खोड़ाबाबा मंदिर से रवाना होकर मंडार के तीन रास्ता ,कंकू तारा, पुछड़िया हनुमान, मुख्य बाजार, ओर भीलडा, गुंडवाड़ा तथा सोनेला ग्राम होते हुए पुनः खोड़ाबाबा मंदिर पर संपन्न हुई। रैली के दौरान सैकड़ों की संख्या में हिंदू समाज के युवाओं ने भगवा ध्वज के साथ भाग लिया। पूरे मार्ग में 'जय श्रीराम' और 'हिंदू एकता जिंदाबाद' के नारों से वातावरण भक्तिमय और ऊजार्वान बना रहा। आयोजकों ने बताया कि आगामी 25 तारीख को मंडार में महा हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में संत-महात्मा, समाजसेवी तथा हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना, सनातन संस्कृति की रक्षा और सामाजिक जागरूकता बढ़ाना है।

विकास प्राधिकरण की 81वीं बोर्ड बैठक में अहम प्रस्ताव मंजूर किया गया

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेशः सहारनपुर विकास प्राधिकरण की 81वीं बोर्ड बैठक मंडल आयुक्त डॉक्टर रूपेश कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शहर के विकास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। बैठक में शासन की नई विकास शुल्क नियमावली-2025 को अंगीकृत किया गया। भवन मानचित्रों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था अनिवार्य होगी। प्राधिकरण सीमा में शामिल 31 नये राजस्व ग्रामों की महायोजना-2031 भाग-ख के ड्राफ्ट को मंजूरी मिली। दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे, इकोनॉमिक कॉरिडोर, सिविल एयरपोर्ट, फ्रेट कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं को ध्यान में रखकर योजना तैयार। जनसामान्य से आपत्तियाँ व सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। ट्रांसपोर्ट नगर योजना में रिक्त भूखण्डों की संशोधित दरों को भी स्वीकृति हुई । बैठक में जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, बोर्ड सदस्य व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा उद्यमी योजना की बैठक में डीएम ने दिए सख्त निर्देश

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेशः सहारनपुर जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में लक्ष्य के सापेक्ष कम प्रगति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने के सख्त निर्देश दिए। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि 3000 के लक्ष्य के सापेक्ष 6469 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि बैंकों द्वारा अब तक 1948 आवेदनों में स्वीकृति और 1851 में ऋण वितरण किया गया है। जिलाधिकारी ने मौके पर ही विभिन्न बैंकों के 68 आवेदनों में स्वीकृति और 32 में ऋण वितरण कराते हुए निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र आवेदनों में तुरंत ऋण स्वीकृति व वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उपायुक्त उद्योग सचिन जैन, जिला अग्रणी प्रबंधक कृषाणु दास सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहे।

झंगहा थाना क्षेत्र में दो किशोरियां गायब, आरोपी पर अपहरण का मामला दर्ज पुलिस जॉच में जुटी

कैशिक तिवारी/उत्तर प्रदेशः जनपद गोरखपुर के एकही गाँव थाना क्षेत्र झंगहा की दो किशोरियां गायब हुईं हैं, परिजनों द्वारा सूरज निषाद के ऊपर अपहरण का आरोप लगाया गया है। थाना क्षेत्र के नदुआज्ञानपार निवासी सूरज निषाद दिनाँक 14 जनवरी को शाम के टाईम उनकी दो लड़कियो को बहला फुसलाकर जबरन कहीं भगा ले गया है। फिलहाल सूरज अपना मोबाइल बन्द कर रखा है, पीड़ित अपने लड़कियों के भविष्य को लेकर चिन्तित हैं और पुलिस से गुहार लगाई कि कहीं उन बच्चियों के साथ कुछ अनहोनी न हो जाए। झंगहा पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बच्चियों को सकुशल बरामदगी के लिए जुट गई है।

प्रथम जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का हुआ चयन

राममेहर

हरियाणाः हांसी स्थानीय राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में 26 जनवरी को आयोजित होने वाले हांसी जिला के प्रथम जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य, आकर्षक एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का चयन किया गया।

यह चयन प्रक्रिया राजकीय महाविद्यालय परिसर में ही आयोजित की गई। एसडीएम राजेश खोथ की अध्यक्षता में चयन समिति द्वारा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की सांस्कृतिक टीमों की प्रस्तुतियों का अवलोकन किया गया, जिसके उपरांत सात स्कूलों की टीमों का चयन किया गया। चयनित विद्यालयों में श्री काली देवी विद्या मंदिर, बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल, एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल, एसडी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल, हिंदू सीनियर सेकेंडरी विद्यालय तथा आरपीएस गढ़ी शामिल हैं। एसडीएम राजेश खोथ ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान श्री काली देवी विद्या मंदिर का म्यूजिकल ग्रुप बैंड विशेष आकर्षण रहेगा। इसके अतिरिक्त मास पीटी प्रदर्शन में आठ स्कूलों के विद्यार्थी भाग लेंगे, जो सामूहिक अनुशासन व शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने बताया कि समारोह की परेड में हरियाणा पुलिस विभाग की कुल तीन टुकड़ियां शामिल होंगी, जिनमें एक महिला पुलिस की टुकड़ी भी सम्मिलित रहेगी। इसके अलावा परेड में होमगार्ड विभाग, राजकीय महाविद्यालय की एनसीसी सीनियर डिवीजन, एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल की एनसीसी जूनियर विंग, हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल की एनसीसी जूनियर विंग, सीडीएस इंटरनेशनल स्कूल मुंढाल की हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड्स की टीमें भी भाग लेंगी। एसडीएम ने कहा कि हांसी जिले का यह प्रथम जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह है, जिसे गरिमामय, अनुशासित एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत बनाने के लिए सभी विभागों द्वारा समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। चयनित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह को और अधिक भव्यता प्रदान करेंगी तथा दर्शकों को देशभक्ति के रंग में रंग देंगी।

एडीसीए ने नाथद्वारा जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

गोपाल सोनी

राजस्थानः राष्ट्रीय संगठन मानवाधिकार सहयोग संघ (एडीसीए) के जिला अध्यक्ष श्री मनीष जी पालीवाल के नेतृत्व मे राजकीय जिला चिकित्सालय नाथद्वारा में व्याप्त सुविधाओं और असुविधाओं. एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। संगठन के पदाधिकारियों द्वारा चिकित्सालय में रोगियों से जानकारी प्राप्त कर पीएमओ डॉ. अनिल शाह से अवगत करायी गयी। उक्त मीटिंग के दौरान पीएमओ डॉक्टर अनिल शाह द्वारा समस्त योजनाओं की जानकारी एवं चिकित्सालय में अतिशीघ्र रिक्त पदों पर नियुक्ति ,मेडिकल लेबोरेटरी , ओपीडी एवं निःशुल्क दवाओं के वितरण सम्बन्धी सुविधाओं हेतु आश्वस्त किया गया। पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा जिला स्तर पर रोगी जागरुकता एवं "आभा "पहचान पत्र हेतु जागरुकता कार्यक्रम हेतु भी संज्ञान लिया गया।

प्रजापति समाज की भव्य श्रीयादे माता शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी श्रीयादे माता के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने के लिए प्रजापति समाज ने राईका बाग संजय नगर से एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया। यह शोभायात्रा स्टेशन रोड, नगरपालिका चौराहा, नई सड़क, जयनारायण जी की मूर्ति, लटियाल मंदिर होते हुए किले के पास संजय नगर श्रीयादे मंदिर तक निकाली गई।शोभायात्रा में रंग-बिरंगी झांकियां, भक्ति भजनों की स्वरलहरियां और पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थिरकन ने पूरे मार्ग को आकर्षित कर दिया। सैकड़ों समाज बंधुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया, जिसमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी शामिल हुए। यात्रा के दौरान स्थानीय दुकानदारों और निवासियों ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। प्रजापति समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने बताया, " हर साल को भाती यह आयोजन हर्षोल्लास से से श्रीयादे माता के आशीर्वाद से समाज की समृद्धि और एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है।"

मनरेगा बचाओ संग्राम को लेकर कांग्रेस का जन आंदोलन, ग्रामीण पंचायतों में होंगे कार्यक्रम

दाऊ दयाल मीणा

राजस्थानः कांग्रेस कमेटी जयपुर जिला देहात अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गोपाल मीणा ने बताया की महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जिसे यूपीए सरकार की अध्यक्ष सोनिया गाँधी, तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने वर्ष 2005 में लागू किया था, जो एक अधिकार आधारित कानून है जो प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार की मांग करने का अधिकार देता है, जिसे राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार ने शहरी क्षेत्र में भी लागू कर दिया था। राजस्थान में 100 दिवस के स्थान पर 125 दिन का रोजगार लागू कर दिया गया था, जो कानून के तहत राज्य सरकार श्रमिक के आवेदन करने के 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध करने के लिए बाध्य है, अन्यथा बेरोजगारी भत्ता देय होता है। यही वैधानिक गारन्टी मनरेगा की मूल और परिभाषित विशेषता है। केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा संसद में अपने निरूकुश बहुमत के बल पर देश के गरीबो का मुख्य आधार मनरेगा योजना को समाप्त कर रोजी रोटी के लिए बेसहारा कर दिया गया है केन्द्र की जनविरोधी भाजपा सरकार के निर्णय के खिलाप कांग्रेस पार्टी के द्वारा पूरे प्रदेश में मनरेगा बचाओ संग्राम जन आन्दोलन शुरू करने का निर्णय लिया है।

जमवारामगढ़ प्रधान रामफूल गुर्जर ने बताया की उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत कगिस पार्टी के पधादिकारी एवं कार्यकताओं द्वारा ग्राम पंचायतों में मिटिंग, नुक्कड़ सभाऐं, विचार गोष्ठी एवं रैलीयों के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। जमवारामगढ़ ? विधानसभा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गोपाल मीणा के मुख्य अतिथि व जमवारामगढ़ प्रधान रामफुल गुर्जर, आंधी प्रधान व जिला पार्षद प्रतिनिधी भगवान मुक्कड़, जिला पार्षद राजेश अटल कग्रिस नेता दाऊ दयाल मीणा विशेष अतिथि के रूप में भाग लेगे। प्रधान रामफूल गुर्जर ने बताया की रविवार दिनांक 18 जनवरी ग्राम पंचायत भुरानपुरा जाटान, राजपुरवास ताला, ताला, जयचंदपुरा, गठवाड़ी, बोबाड़ी, सोमवार दिनांक 19 जनवरी को ग्राम पंचायत धौला, केला का बास, बहलोड़, माथासुला, देवीतला, रायसर, सामेरेड़ कलां, मंगलवार दिनांक 20 जनवरी को ग्राम पंयायत भानपुर कलां, नांगलतुलसीदास, बासना, टोडा मीणा, बिलोद, दंताला मीणा व गोपालगढ़ में सभाओं का आयोजन होगा।

अपना दल एस का कंबल वितरण कार्यक्रम, पंचायत चुनाव को लेकर एकजुटता का आह्वान

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः अपना दल एस के तत्वाधान में आनन्द पटेल दयालु प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच की अध्यक्षता में रॉबर्ट्सगंज विधानसभा के ग्राम पंचायत खेतकटवा में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सत्यनारायण पटेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्यामाचरण गिरी वरिष्ठ नेता एवं जनाब महताब आलम प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक व अतिथि के रूप में जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह राजपूत, संतोष कनौजिया जिला सचिव, संतोष पटेल जिला सचिव, घोरावल विधानसभा के कोषाध्यक्ष लव कुश पटेल उपस्थित रहे। कंबल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ माता बरती देवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सत्यनारायण पटेल ने कहा कि अपना दल एस की नेता मा. अनुप्रिया पटेल जी के हाथों को मजबूत बनाने के लिए आने वाले पंचायत चुनाव में सभी को मजबूती के साथ पार्टी के साथ खड़ा रहना है। उन्होंने कहा कि तेलगुडवा से लेकर कोन तक की सड़क आनन्द पटेल दयालु के संघर्ष तथा मा.अनुप्रिया पटेल जी और कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार मा. आशीष पटेल जी के प्रयासों से स्वीकृत हुई।

तेरह वर्षों से लंबित सड़क का निर्माण केवल पांच महीने के संघर्ष और मा . मंत्री जी के हस्तक्षेप से प्रारंभ हुआ जो इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि श्यामाचरण गिरी ने कहा कि रॉबर्ट्सगंज विधानसभा के कोन क्षेत्र की बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आनन्द पटेल दयालु लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी पार्टी अवसर दे आप सभी लोग पूरे मन से उनका साथ दें। इस पर उपस्थित जनसमूह ने हाथ उठाकर समर्थन और आशीर्वाद दिया। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि जनाब महताब आलम प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक मंच ने कहा कि हर वर्ष ठंड के मौसम में एक हजार जरूरतमंद परिवारों तक कंबल पहुंचाकर राहत दी जाती है। आज माता पितातुल्य बुजुर्गों ने आनन्द पटेल दयालु जी को आशीर्वाद देकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है अब बारी जनता की है। जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि आनन्द पटेल दयालु का संघर्ष सभी ने देखा है। यदि ऐसे जमीनी संघर्षशील युवाओं को अवसर मिले तो क्षेत्र का भविष्य निश्चित रूप से उज्वल हो सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे। आनन्द पटेल दयालु प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच ने कहा कि जब जब जनता ने आवाज दी है मैं मजबूती से खड़ा दिखाई दिया हूं। क्षेत्र की प्रत्येक समस्या को पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार मा. आशीष पटेल जी तक पहुंचाया गया और उसका समाधान भी कराया गया और आगे भी जनता के अधिकारों के लिए पूरी ताकत से संघर्ष जारी रहेगा। गांव के अजय कुमार पटेल ने कहा कि हम सभी अपना दल एस की विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे। यदि आनन्द पटेल दयालु चुनाव लड़ते हैं तो हम सभी लोग पूरी दमखम के साथ उनका साथ देंगे।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने भव्य व्यापारी महोत्सव 2026 का किया आयोजन

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2025 दिन मंगलवार को स्थानीय सेठ गंगा प्रसाद महेश्वरी सभागार जन मंच गांधी पार्क में एक विशाल व्यापारी महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया, जिसमें बहुत बड़ी संख्या में व्यापारियों ने अपने परिवारों सहित बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। इस बार के कार्यक्रम में बहुत भव्यता के साथ अनेक मनोरंजन के प्रोग्राम रखे गए। जिसमें फन गेम्स,तोल मोल के बोल,मैजिक शो,फैंसी ड्रेस,बेस्ट कपल,बेस्ट मेल,बेस्ट फीमेल, बेस्ट चिल्ड्रन प्रतियोगिता एवं उनके अवार्ड रखे गए। कार्यक्रम में विशेष तौर पर टी वी के प्रसिद्ध शो लाफ्टर चैलेंज के

विनोद बजाज जी संचालक के रूप में रहे, जिन्होंने अपने संचालन से पूरे कार्यक्रम को शानदार तरीके से संचालित किया। कार्यक्रम की एक और बहुत बड़ी शोभा मशहूर जादूगर एस, के, शर्मा जी का भी शो रहा जिसमें उन्होंने अपने जादू की कई तरकीबों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शकों में सबसे ज्यादा उत्सुकता निकाले जा रहे पुरस्कारों को लेकर रही, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाखों के पुरस्कार जीते। कार्यक्रम में नगर विधायक राजीव गुंबर, मेयर डॉक्टर अजय सिंह, ए आर टी ओ एम पी सिंह ,जी एस टी कमिश्नर सेंट्रल अनिल मित्तल, एस पी ट्रैफिक शैलेन्द्र श्रीवास्तव, प्रभारी सदर कोतवाली कपिल देव और नगर आयुक्त शिपू गिरी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य प्रायोजक चावलाइलेक्ट्रॉनिक ,एच डी एफ सी बैंक, कुटुंब सिटी हरिद्वार ,आई डी एफ सी बैंक, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, आरती एजेंसी, श्री आनन्द कलेक्शन, आनन्द मॉल, विवेक ट्रेडर,बजाज शूज, सन्नी डिजाइनर, लता गारमेंट, नारंग हार्डवेयर ,सिटी मॉल, इंडिया इलेक्ट्रिकल, सहारनपुर एजेंसी ,शीतल इलेक्ट्रॉनिक, रोहिणी इंडस्ट्री, गौतम ज्वैलर, चौधरी साइकिल स्टोर, ए आर एम इंटरनेशनल,राजू कॉस्मेटिक तथा सुभाष स्टोर रहे।

मुख्य प्रायोजकों को भी स्मृति चिन्ह देकर कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बेस्ट स्पॉन्सरशिप कलेक्शन अवार्ड प्रथम दीपकखेड़ा, द्वितीय नीरज जैन, तृतीय संजय गुप्ता तथा बेस्ट कूपन सेलिंग प्रथम सूरज प्रकाश ठक्कर, द्वितीय संजय भसीन, तृतीय अशोक नारंग को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा, वरिष्ठ महामंत्री सरदार सुरेंद्र मोहन सिंह चावला ,महामंत्री पुनीत चौहान, कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी आदि आए सभी अतिथियों का पटका पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, और कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए सभी प्रायोजकों का, संगठन के सदस्यों का और आये हुए मेहमानों का भी हार्दिक स्वागत व धन्यवाद किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक राज कुमार विज एवं संजय भसीन रहे। सह संयोजक दीपक खेड़ा ,नीरज जैन, सूरज प्रकाश ठक्कर को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांतीय उपाध्यक्ष यशपाल मैनी, प्रांतीय संगठन मंत्री अशोक छाबड़ा,आर के मल्होत्रा, राम राजीव सिंघल, राजपाल सिंह, युवा अध्यक्ष अनुभव शर्मा, कुबेर नरूला, विनीत चौहान, ऋषि राज ढींगड़ा, राजेन्द्र गुप्ता, अमित गगनेजा, वरुण हुरिया, प्रभाष वर्मा , राजीव मदान ,मुकेश दत्ता,फरजान उल हक, नितिन गर्ग ,अशोक नारंग,संजय जुनेजा, अंतरिक्ष अरोड़ा, मनोज तनेजा ,अमृत बजाज,अभिषेक सोढी,विनीत मित्तल,ऋषि कपूर ,शुभम गगनेजा,राजेश तनेजा, मुकेश धनगर,आशीष गर्ग, राहुल सिडाना, अमित जैन,कुलदीप गुलाटी, दिव्य नारंग,संजय गुप्ता, यशपाल डाबरा, रवि कवात्रा, मुस्तजाब अली, सुभाष सपरा आदि मुख्य सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

एक नजर

पड़ोसी विवाद युवक ने सरिए-पत्थर से तोड़ी कार, पुलिस ने किया मामला दर्ज

मनीष कुमार/राजस्थानः आपसी विवाद में पड़ोसी युवक ने दूसरे की कार सरिए-पत्थर मार कर तोड़ दी। वहीं इससे गुस्साए युवक ने पड़ोसी को कुचलने का प्रयास किया। एक बार तो टक्कर मार कर जमीन पर गिरा दिया। लेकिन, युवक फिर खड़ा हुआ और कार के कांच पर पत्थर मारने लगा। गनीमत रही कि कार पत्थरों पर चढ़कर दीवार से भिड़ी और रुक गई। मामले में पुलिस ने कार चला रहे युवक को शांति भंग में पकड़ा है वहीं कार को जब्त कर लिया है। इस पूरे मामले का एक वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल दोनों ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। घटना बालोतरा जिले के समदड़ी थाना के करमावास गांव सोमवार दोपहर की है। घटना का वीडियो बुधवार को शेयर हो रहा है। समदड़ी थाने के सीआई नरपतदान ने बताया- सोमवार को रमेश सेन (25) पुत्र दूदाराम निवासी करमावास और उसके पड़ोसी नरेश (25) पुत्र बींजाराम के बीच में कहासुनी हो गई। दोनों के बीच पहले से रंजिश चल रही है। ऐसे में, सोमवार को झगड़ा बढ़ गया। पड़ोसी भिड़े पुलिस के अनुसार, कहासुनी के बाद नरेश ने लोहे के सरिए व पत्थर से रमेश की कार के कांच तोड़ दिए।

मोहम्मद सलीम बने कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ के नए प्रदेश उपाध्यक्ष

गोपाल सोनी/राजस्थानः प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार एवं कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान द्वारा मोहम्मद सलीम को खेलकूद प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकताओं एवं खेल प्रेमियों में हर्ष की लहर है। मोहम्मद सलीम की नियुक्ति पर समाज के सभी वर्गों एवं स्केल प्रपोज से जुड़े लोगों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों का कहना है कि मोहम्मद सलीम एक ईमानदार, कर्मठ और संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनकी कार्यशैली हमेशा प्रेरणादायक रही है। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक अनुभव और सामाजिक सक्रियता पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। सभी ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि वे खेलकूद प्रकोष्ठ को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि उनके नेतृत्व में खेलकूद प्रकोष्ठ नई ऊंचाइयों को छुएगा।

एनएसएस शिविर में लिव-इन रिलेशनशिप पर विचार गोष्ठी की गई आयोजित

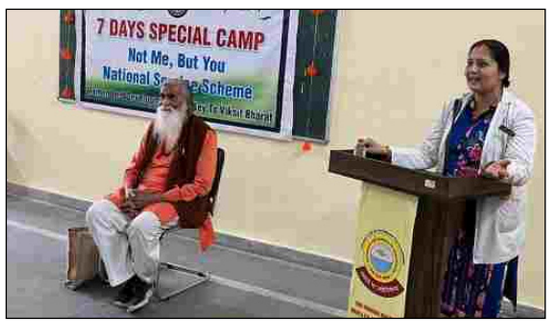

गोपाल सोनी/राजस्थानः श्री भवानी निकेतन पीजी महिला महाविद्यालय में दिनांक 16से 22तक ठरर " शिविर चल रहा है। कल दिनांक 20को शिवर के पांचवे दिन लिव इन रिलेशनशिप विषय पर चर्चा की गई, जिसमें मीरा चेरिटेबल के संस्थापक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया जी,कवि महिपाल सिंह शेखावत, एवं डॉ वर्षा लाटा को विषेश अतिथि के रूप में पधारे थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद महिपाल सिंह शेखावत जी के जोश भरे काव्य रस ने कार्यक्रम का आगाज किया। कार्यक्रम के दौरान आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया जी ने छात्राओं को लिव इन रिलेशनशिप के नुकसान के साथ ही जीवन को सही तरीके से जीने के गुण सिखाए कार्यक्रम के अंत में डॉ वर्षा लाटा ने अपनी कविता से छात्राओं को विवेक का उपयोग कर प्रेम और धोखे का अंतर समझाए सभी छात्राओं ने माता पिता ओर गुरुजनों का आदर एवं अन्न का नुकसान न करने की शपथ ली कॉलेज की प्रधानाचार्या श्रीमति मीना राठौड़ जी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

काशी में अहिल्याबाई होल्कर को नमन, महिला नेतृत्व की दी गई प्रेरणा

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेशः वाराणसी हमारी काशी के सांसद और देश के यशस्वी प्रधान सेवक आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर जी के सुशासन, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के दृढ़ संकल्प को देश के लिए प्रेरणा मानते हैं। खासकर 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए। उनके 300वें जयंती वर्ष पर कई परियोजनाओं और सम्मानों के माध्यम से उनकी विरासत को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण एवं पुण्य श्लोक महारानी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा की स्थापना प्रतिदिन महारानी अहिल्याबाई का पूजन जैसे उनके कार्यों पर जोर दिया गया है और उन्हें एक 'आदर्श रानी' के रूप में याद किया गया है, जो दृढ़ इच्छाशक्ति से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने की शक्ति का प्रतीक हैं।

दो मोटरसाइकिलों की हुई टक्कर, दो युवक गंभीर रूप से घायल

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः बीजपुर स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजपुर रेणुकूट मुख्य मार्ग पर चेतवा बाजार के समीप मंगलवार की दोपहर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें अन्यत्र रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवि चंद्रा (32वर्ष) एवं कृष्णा पाल (21वर्ष), निवासी नेमना, किसी कार्य से छत्तीसगढ़ जा रहे थे। चेतवा बाजार से पहले पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल डायल

112 पीआरबी को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एनटीपीसी रिहंद स्थित धन्वंतरी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च उपचार हेतु रेफर कर दिया।

पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दूसरी मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। गौरतलब है कि बखरिहवा से बीजपुर तक का सड़क मार्ग इन दिनों अत्यंत जर्जर हालत में है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

फतेहपुरा झील लैंड माफियाओं के निशाने पर तटबंध हुआ क्षतिग्रस्त

अग्रवाल राजेशकुमार कैलाशचंद्र

गुजरातः दाहोद जिले के फतेहपुरा गांव की इकलौती सरकारी झील अब लैंड माफियाओं के निशाने पर आ गई है। गांव में डर और गुस्से का माहौल है क्योंकि झील के किनारे को खोदकर और जबरदस्ती अवैध निर्माण शुरू किया जा रहा है। पिछले दो-तीन दिनों से झील के किनारे में बड़े पैमाने पर खुदाई की जा रही है, जिससे किनारा करीब 10 फीट तक डैमेज हो गया है, जिससे झील का पानी लीक होने लगा है। बांधा टूटते ही पानी बाहर निकल गया, फिर मिट्टी भरकर मामले को दबाने की कोशिश की गई। झील का किनारा टूटते ही झील का पानी बाहर निकलने लगा। हालात गंभीर होने पर लैंड माफियाओं ने तुरंत मिट्टी डालकर पानी रोकने की कोशिश की,

लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सिर्फ दिखावा है। अगर तटबंध फिर से टूटा, तो आस-पास के 500 से ज्यादा घरों में पानी घुसने की पूरी संभावना है। हैरान करने वाली बात यह है कि झील के तटबंध की खुदाई और कंस्ट्रक्शन शुरू करने के लिए ग्राम पंचायत से कोई परमिशन नहीं ली गई थी, फिर भी दिन-रात काम चल रहा था। जब साइट पर काम कर रहे मजदूरों से पूछा गया, तो पता चला कि उन्होंने बताया कि यह खुदाई सनाभाई पंचाल कर रहे थे। इस घटना के बाद, यह भी पता चला है कि मजदूर साइट से भाग रहे थे।

प्रशासन की बड़ी लापरवाही के कारण लैंड माफियाओं का बोलबाला है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले दो-तीन दिनों से झील के तटबंध पर खुदाई चल रही थी, फिर भी फतेपुरा ग्राम पंचायत और प्रशासन ने आंखें मूंद लीं। दबाव पड़ने और साइट पर नोटिस लगाने के बाद ही पंचायत जागी, जिससे प्रशासन के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एक साल पहले कलेक्टर का दौरा, फिर भी लैंड माफिया एक्टिव। गौरतलब है कि करीब एक साल पहले, जब फतेपुरा ग्राम पंचायत के कंट्रोल वाली इसी सरकारी झील की हालत खराब हो गई थी, तो डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने साइट का दौरा किया था। उस समय भी लैंड माफिया झील के किनारे को नुकसान पहुंचाने और दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद कलेक्टर, ममलतदार और दूसरे अधिकारियों के साथ साइट पर पहुंचे और झील और किनारे की हद नापी गई।

शब-ए-बारात से पहले कब्रिस्तानों की सफाई को लेकर पार्षद मंसूर बदर ने उठाई मांग

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर पार्षद और कार्यकारणी सदस्य मंसूर बदर दिल की धमनियों की बीमारी से स्वस्थ होकर एक बार फिर से लोगो की समस्याओं को सुलझाने में लग गए हैं। आगामी 3 फरवरी को शब ए बारात के त्यौहार को देखते हुए पार्षद मंसूर बदर की अगुवाई में काम करने वाले पार्षद दल ने मेयर डॉक्टर अजय कुमार सिंह और नगर आयुक्त शिपू गिरि से मुलाकात की पार्षद मंसूर बदर ने बताया कि नगर और 32 गांवो में कब्रिस्तानों का बुरा हाल है। खासकर निगम के कब्रिस्तान अंबाला रोड पर दबनी वाला में 4 से 5 फिट की झाड़ियां हो रही है एक भी स्ट्रीट लाइट नहीं जल रही है, जिससे लोगों को बहुत दिक्कतें

है।

अविलंब उद्यान विभाग से मालियों को लगा कर झाड़ियों की सफाई करवाई जाए। पार्षद मंसूर बदर ने बताया कि उनके द्वारा 4 सोलर हाई मास्क लाइट और 1बड़ी हाई मास्क लाइट लगवाई गई थी, जिसको अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। इन पोलो के स्ट्रेक्चर पर लाइट्स लगवाई जाए और 200 लाइट शुरू से तालाब तक लगवाई जाए। इसके साथ कुतुबशेर साहब वाला कब्रिस्तान, कंबोह वाला,कुम्हारों वाला, बंजारों वाला, नाइयों वाला,शेखों वाला,शिया वाला,गोटेशाह वाला,धोबी वाला,गोरे गरीबां वाला,हाजी शाह कमाल,निरंजन शाह वाला,पेपर मिल, वाल्मीकि बस्ती वाला,दरगाह शाहनूर जी आदि में साफ सफाई, स्ट्रीट लाइट,रास्तों को ठीक करवाने,का काम अविलंब हो।

नगर निगम पार्षद मंसूर बदर और समीर अंसारी ने दबनी वाला कब्रिस्तान के बाहर सामुदायिक शौचालय के दरवाजों,टोंटियों,साफ सफाई के लिए,पार्षद सईद सिद्दीकी पार्षद इजहार मंसूरी पार्षद गुलजेब खान ने सफाई स्ट्रीट लाइट के लिए,पार्षद जफर अंसारी, पार्षद डॉक्टर मंसूर, पार्षद आसिफ अंसारी, पार्षद रईस पप्पू और मेनपाल पार्षद ने सभी कब्रिस्तान और मस्जिदों के बाहर सफाई चुने कि व्यवस्था की मांग की मेयर डॉक्टर अजय कुमार सिंह और नगर आयुक्त शिपू गिरि ने विश्वास दिलाया कि 3 दिनों में सफाई स्ट्रीट का काम शुरू हो जाएगा।

बदहाल सड़कें बनी जनता की परेशानी, जमीनी नेताओं की उठी मांग

जितेंद्र दुबे

उत्तर प्रदेशः कटेहरी विधानसभा ग्राम सभा पमोली (मनोहर पांडेय का पूरा) तहसील भीटी के रोड की दशा ये बताती है कि इस विधान सभा में सत्ता पक्ष में जमीनी नेताओं की जरूरत है। यहां की जनता का कहना है। सिर्फ वोट मांगने के लिए इलेक्शन में नेता आते है और आश्वासन दे कर चले जाते है। इस सड़क की दशा खराब होने की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। अगर अंबेडकर नगर में कोई भी नेता अपने आप को जमीनी नेता मानता हो और इस रोड को बनवा सके तो इस रोड को संज्ञान में ले ले क्यों की जनता और नेता दोनों एक दूसरे के पूरक होते है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का हुआ भव्य उद्घाटन

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का भव्य उद्घाटन हो गया। शकुन ग्रुप ऑफ कम्पनीज, जोधपुर के चेयरमैन जवाहरलाल मून्दड़ा ने इस शाखा का औपचारिक शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख धीरज शर्मा, शाखा प्रबंधक भादर राम स्वामी विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम में स्थानीय उद्यमी डूंगरदास पुरोहित, भाजपा शहर मंडल फलोदी अध्यक्ष शिव प्रकाश पंचारिया, अधिवक्ता मनोज कुमार पुरोहित, उद्यमी राज कुमार गुचिया, विजय नैन तथा भाजपा नेता जगदीश पालीवाल सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिकों ने शिरकत की। सभी ने इस नई शाखा को फलोदी के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।यूनियन बैंक की यह शाखा स्थानीय निवासियों को आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करेगी। बचत खाते, ऋण सुविधाएं, डिजिटल बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाएं अब आसानी से उपलब्ध होंगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और छोटे व्यवसायियों को लाभ होगा। चेयरमैन मून्दड़ा ने कहा कि फलोदी जैसे विकासशील क्षेत्र में बैंकिंग विस्तार आवश्यक है।

नगर निगम ने सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए नये वाहनों को किया रवाना

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर नगर निगम, महापौर डॉक्टर अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ने गैराज से एक दर्जन से अधिक नये वाहनों को हरी झंडी दिखाकर महानगर के लिए रवाना किया। इन वाहनों में ट्रैक्टर ट्रॉली, बैकहोलोडर, सक्शन मशीन, पानी के टैंकर, व हॉपर टिपर डंपर आदि शामिल रहे। शहर की सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए नगर निगम द्वारा वाहन खरीदे गए हैं। गैराज परिसर में महापौर डॉक्टर अजय कुमार व नगरायुक्त द्वारा इन वाहनों की विधिवत पूजा अर्चना करते हुए नारियल फोड़कर वाहनों का महानगर के लिए लोकार्पण किया गया, तत्पश्चात हरी झण्डी दिखाकर महानगर के लिए रवाना किया गया। इन वाहनों में सीवर सफाई के लिए चार सक्शन मशीन के अलावा एक बैकहोलोडर, 3 ट्रैक्टर,5 ट्रॉली, एक हॉपर टिपर डंपर आदि शामिल है।

गैराज प्रभारी स्वप्निल जैन ने बताया कि इनमें कुछ वाहन स्मार्ट सिटी के माध्यम से खरीदे गए हैं। महापौर डॉक्टर अजय कुमार ने बताया

कि शहर में कूडा एकत्रीकरण एवं निस्तारण तथा सीवर सफाई व्यवस्था के साथ शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम द्वारा कुछ वाहन खरीदे गए हैं। इससे नगर निगम की सफाई व्यवस्था और सुदृढ होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर को साफ सुथरा एवं व्यवस्थित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और नये वाहनों की खरीद उस दिशा में एक ठोस कदम है।

इस दौरान उपसभापति मयंक गर्ग, अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, नगर स्वास्थय अधिकारी डॉक्टर प्रवीण शाह, निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ.संदीप मिश्रा, अधिशासी अभियंता वी बी सिंह, लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी, जेड एस ओ राजीव चौधरी, गैराज प्रभारी स्वप्निल जैन, नगर लेखा परीक्षक अजमैन वारसी, मुख्य सफाई निरीक्षक इंद्रपाल व परमानंद आदि शामिल रहे।

सम्पादकीय

बंगाल 'महाजंगलराज' नहीं

बेशक करीब 6800 कंपनियों और लघु उद्योगों ने अपने दफ्तर, कारखाने, ढांचे आदि पश्चिम बंगाल से खत्म किए हैं और महाराष्ट्र, गुजरात में स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मौजूदा कार्यकाल में ही करीब 2300 कंपनियों ने बंगाल को छोड़ा है। यह औद्योगिक विकास की नकारात्मक स्थिति है, लेकिन इसके समानांतर का यथार्थ यह भी है कि आईटी, सॉफ्टवेयर क्षेत्र में इन्फोसिस सरीखी वैश्विक कंपनी कोलकाता में अपना औद्योगिक तंबू गाड़ रही है। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह रिलायंस ने बंगाल में निवेश की घोषणा की है। सीमेंट और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों की कंपनियां बंगाल में अपने ढांचे स्थापित कर रही हैं। बेशक 2006-08 के दौर में बंगाल के सिंगूर इलाके में टाटा समूह को 'नैनो कार' का संयंत्र उठाना पड़ा और वह गुजरात के साणंद में पुनःस्थापित किया गया। यह राजनीतिक युद्ध का विवाद बना और सर्वोच्च अदालत के दखल से किसानों की करीब 1000 एकड़ जमीन वापस करनी पड़ी। दुर्भाग्य और विडंबना है कि उसमें से करीब 300 एकड़ जमीन पर ही खेती हो पा रही है। ऐसे परिदृश्य में दुष्प्रचार किया जाता रहा है कि पश्चिम बंगाल 'उद्योगहीन' राज्य है। यह तथ्यहीन प्रचार है, क्योंकि बंगाल देश की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसकी औसत विकास दर करीब 12 फीसदी है। यह राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बंगाल का योगदान 6.15 फीसदी है। हालांकि यह योगदान कभी 10 फीसदी से अधिक होता था। पश्चिम बंगाल की गिनती गरीब राज्यों में की जाती है, क्योंकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 1 लाख रुपए से भी कम है। हालांकि राज्य की जीडीपी 20.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक है और 2030 तक 400 अरब अमरीकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। बंगाल में खनिजों के प्रचुर भंडार हैं। चावल, चाय, कपड़ा, जूट, कोयला, लौह और आईटी उद्योगों पर आधारित अर्थव्यवस्था एक मिश्रित, सामाजिक बाजार की अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल पर 'महाजंगलराज' का गंभीर आरोप चस्पा किया है। यह भी जनता को बताया है कि 100 घरों में से औसतन 4 घरों में ही 'नल का जल' है, जबकि यह हकीकत नहीं है। प्रधानमंत्री की 'नल से जल' योजना की शोधपरक रपट सार्वजनिक की जाए, तो ढेरों छिद्र सामने आएंगे और योजना के भ्रष्ट आचरण की कलई खुलेगी। बहरहाल आज विषय यह नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार, 18 जनवरी को बंगाल में चुनावी शंखनाद की शुरूआत की है और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को विदा करने का आह्वान किया है।

बंगाल में कानून व्यवस्था के निकम्मेपन, सांप्रदायिक तनाव और हिंसा, घुसपैठ, बांग्लादेशी, रोहिंग्या सरीखे अवैध प्रवासियों का संरक्षण तथा वोट बैंक, भ्रष्टाचार आदि के हालात समझ में आते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी 15 साल पुरानी सत्ता पर ढेरों सवाल किए जा सकते हैं, लेकिन महज चुनावी राजनीति के मद्देनजर उस पर ह्य'महाजंगलराज' चस्पा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

विश्व को अस्थिर करता अमेरिका

-किशन सनमुखदास भावनानीं-

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है,तब भी अमेरिका की विदेश नीति में एक पुराना साम्राज्यवादी आग्रह बार-बार उभरकर सामने आता है। अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संप्रभुता के सिद्धांतों को दरकिनार करते हुए सैन्य दबाव,आर्थिक प्रतिबंध और टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करना अमेरिका की रणनीति का हिस्सा रहा है। वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन की कोशिशें, ईरान पर अधिकतम दबाव की नीति और अब ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के आक्रामक बयान,यह सब मिलकर एक ऐसे अमेरिका की तस्वीर पेश करते हैं जो वैश्विक स्थिरता का संरक्षक कम और अस्थिरता का कारक अधिक बनता जा रहा है। ग्रीनलैंड हमेशा डेनमार्क और यूरोपीय संप्रभुता का सवाल रहा हैं,ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन एक स्वायत्तशासी क्षेत्र है। इसका अर्थ यह है कि उसकी विदेश और रक्षा नीति डेनमार्क तथा यूरोपीय ढांचे से जुड़ी हुई है। जब ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे या उसे खरीदने जैसी बातों को सार्वजनिक मंच से दोहराया, तो यह केवल डेनमार्क ही नहीं, बल्कि पूरे यूरोप की संप्रभुता को चुनौती देने जैसा था। यूरोपीय देशों को यह एहसास हुआ कि यदि आज ग्रीनलैंड पर दबाव डाला गया, तो कल किसी और यूरोपीय क्षेत्र पर भी ऐसा ही प्रयास हो सकता है। यही कारण है कि इस मुद्दे पर यूरोप ने असामान्य रूप से एकजुट रुख अपनाया। ग्रीनलैंड का मामला नाटो के लिए भी एक निर्णायक परीक्षा बन गया। नाटो एक ऐसा सैन्य गठबंधन है जो सामूहिक सुरक्षा के सिद्धांत पर आधारित है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब गठबंधन का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही अपने सहयोगी देशों पर दबाव डालने लगे तो नाटो की नैतिकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यूरोपीय देशों ने स्पष्ट संकेत दिया कि नाटो का मतलब केवल अमेरिकी हितों की रक्षा नहीं, बल्कि सभी सदस्य देशों की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस एकजुटता ने ट्रंप प्रशासन को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक कदम उठाना आसान नहीं होगा। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में जहां अमेरिका को सीमित विरोध का सामना करना पड़ा था, वहीं ग्रीनलैंड के मुद्दे पर यूरोप एक स्वर में खड़ा दिखाई दिया। डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम सभी ने इस बात को स्पष्ट किया कि ग्रीनलैंड पर किसी भी तरह का दबाव अस्वीकार्य है। यूरोपीय एकता ने ट्रंप के उस आत्मविश्वास को झटका दिया, जिसके तहत वे मानते थे कि आर्थिक या सैन्य दबाव डालकर किसी भी देश को झुकाया जा सकता है।

साथियों बात कर हम वेनेजुएला और ईरानः हस्तक्षेप की पुरानी पटकथा को समझने की करें तो ग्रीनलैंड से पहले अमेरिका की नजर वेनेजुएला और ईरान पर रही है। वेनेजुएला में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने,राष्ट्रपति को अपदस्थ करने और कथित अपहरण जैसी घटनाओं की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई। यह सब अंतरराष्ट्रीय कानूनों और किसी भी संप्रभु देश के आंतरिक मामलों में गैर- हस्तक्षेप के सिद्धांत के सीधे उल्लंघन थे। इसी तरह ईरान के खिलाफ लगातार प्रतिबंध, सैन्य धमकियां और क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने की नीति ने मध्य-पूर्व को लंबे समय तक संघर्ष के दलदल में धकेल दिया। इन दोनों उदाहरणों ने यह स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति कूटनीति पहले नहीं, बल्कि दबाव पहले की अवधारणा पर आधारित थी। ग्रीनलैंडः बर्फ से ढका द्वीप, लेकिन भू-राजनीति का गर्म केंद्र रहा। साथियों बात अगर हम ग्रीनलैंड मुद्दे को समझने की करें तो यह भले ही जनसंख्या की दृष्टि से छोटा और भौगोलिक रूप से दूरस्थ क्षेत्र हो,लेकिन उसकी रणनीतिक अहमियत असाधारण है। यह दुनियाँ का सबसे बड़ा द्वीप है और आर्कटिक क्षेत्र में स्थित होने के कारण सैन्य,ऊर्जा, खनिज और वैश्विक व्यापार मार्गों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण बन चुका है। जलवायु परिवर्तन और बर्फ के पिघलने के साथ आर्कटिक में नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जिससे यूरोप- एशिया-अमेरिका के बीच व्यापारिक दूरी कम हो सकती है। इसके साथ ही दुर्लभ खनिज, तेल और गैस जैसे संसाधनों तक पहुंच आसान हो रही है। यही कारण है कि ग्रीनलैंड अब केवल एक द्वीप नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति-राजनीति का केंद्र बन चुका है।

साथियों बात अगर कर हम अमेरिका की मंशाःआर्कटिक में वर्चस्व की होड़ को समझने की करें तो अमेरिका लंबे समय से ग्रीनलैंड में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। वहां पहले से मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने और रडार सिस्टम इस बात का संकेत हैं कि वॉशिंगटन आर्कटिक को केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि सामरिक युद्धक्षेत्र के रूप में देखता है। हालिया घटनाक्रम में अमेरिका ने ग्रीनलैंड को लेकर सैन्य और रणनीतिक गतिविधियां तेज करने के संकेत दिए। आधिकारिक तर्क यह दिया गया कि रूस और चीन जैसी उभरती ताकतों को संतुलित करने के लिए यह जरूरी है।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

-ललित गर्ग-

> महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मयार्दा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक ह्लखेला होगाह्व के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरूआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाजों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिर्णय का अवसर हैं-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए।

एनजीटी की चेतावनी: इंदौर ही नहीं, अन्य बड़े शहरों में भी जल प्रदूषण का खतरा

-राज कुमार सिन्हा-

मध्यप्रदेश के अधिकांश बड़ा शहर भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर का पेयजल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नदियों, तालाबों और भूमिगत जल पर निर्भर है। इन सभी स्रोतों पर शहरी सीवेज, औद्योगिक कचरे और ठोस अपशिष्ट का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट या तो अपर्याप्त क्षमता के हैं या कई जगह पूरी तरह से निष्क्रिय हैं। परिणामस्वरूप, आंशिक या बिना उपचारित गंदा पानी सीधे जल स्रोतों में छोड़ा जा रहा है।

भोपाल स्थित राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने हाल ही में यह स्वीकार किया है कि इंदौर के अलावा राज्य के अन्य बड़े शहरों में भी जल स्रोतों के प्रदूषित होने की गंभीर संभावना मौजूद है। यह टिप्पणी न केवल प्रशासनिक विफलताओं की ओर इशारा करती है, बल्कि प्रदेश के शहरी जल प्रबंधन मॉडल पर भी गहरे सवाल खड़े करती है। एनजीटी की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब शहरी आबादी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन सीवेज शोधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और जल स्रोतों की सुरक्षा की व्यवस्था उसी अनुपात में विकसित नहीं हो पाई है। नदियों, तालाबों और भूमिगत जल स्रोतों में बिना उपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट का प्रवाह एक स्थायी खतरा बन चुका है। अधिकरण ने कहा कि शहरी सीवेज के अपर्याप्त उपचार, औद्योगिक अपशिष्ट के अनियंत्रित निस्तारण और जल स्रोतों की नियमित निगरानी के अभाव के कारण यह संकट गहराता जा रहा है।

एनजीटी ने राज्य सरकार और संबंधित नगरीय निकायों को जल स्रोतों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। यह टिप्पणी किसी एक दुर्घटना या स्थानीय प्रशासन की चूक भर नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश के अधिकांश शहरों में व्याप्त एक गहरी, संरचनात्मक समस्या की ओर संकेत करती है। नदियों, तालाबों और भूमिगत जल पर निर्भर शहरी आबादी के लिए यह एक चेतावनी है कि संकट अब दरवाजे पर नहीं, घर के भीतर प्रवेश कर चुका है। जबलपुर में नर्मदा नदी धार्मिक, सांस्कृतिक और पेयजल तीनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन शहर का बड़ा हिस्सा अपना सीवेज सीधे नर्मदा या उसकी सहायक नालियों में डालता है। कई स्थानों पर नालियां बिना किसी शोधन के नदी में मिल रही हैं।

बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब शहर का गंदा पानी सीधे नदी में पहुंचता है। इसके बावजूद नर्मदा को ह्यस्वच्छह्व बताने का सरकारी दावा जमीनी हालात से मेल नहीं खाता। जबलपुर के गोंड काल में बना तालाब कभी स्थानीय लोगों के लिए जल संग्रह और भू-जल रिचार्ज का महत्वपूर्ण स्रोत था। आज वही तालाब शहरी उपेक्षा और प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक बन चुका है। तालाब का बड़ा हिस्सा गंदगी, प्लास्टिक कचरे और घरेलू अपशिष्ट से पट चुका है, जिससे यह जल संरचना अब धीरे-धीरे एक कचरा घर में तब्दील हो रही है। यह स्थिति केवल सौंदर्य या पर्यावरण की नहीं, बल्कि सीधे जनस्वास्थ्य से जुड़ा हुआ संकट है। तालाब में जमा सड़ा हुआ कचरा मच्छरों, दुर्गंध और जलजनित रोगों को बढ़ावा दे रहा है। आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए यह तालाब अब राहत नहीं, बल्कि बीमारी का स्रोत बनता जा रहा है। इस तालाब की उपेक्षा केवल स्थानीय समस्या नहीं है। यह पूरे शहर में जल स्रोतों के प्रति उदासीन रवैये को उजागर करती है। जबलपुर जैसे शहर में, जहां नर्मदा जीवनरेखा है, वहां तालाबों का इस तरह बर्बाद होना भविष्य के जल संकट को और गहरा करेगा। ग्वालियर के आस-पास बहने वाली छोटी नदियां और नाले गंदे पानी के लिए मार्ग बन चुकी हैं। नगर क्षेत्रों में सीवेज ट्रीटमेंट की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण अपशिष्ट सीधे नदी और नालों में जा रहे हैं, जिससे नदियों और तालाबों का पानी स्वास्थ्य के लिए खराब हो रहा है। ग्वालियर जिला सहित संभाग में भू-जल का स्तर तेजी से गिर रहा है क्योंकि ज्यादातर पानी बोरवेल और ट्यूबवेल के माध्यम से निकाला जाता है। ग्वालियर शहर के कई क्षेत्रों में नल का पानी महीनों तक नहीं आता, जिससे लोग बोतलबंद और टैंकर के पानी पर निर्भर रहते हैं। यह जल प्रबंधन और आपूर्ति नेटवर्क के कमजोर होने का संकेत है। ग्वालियर संभाग में जल प्रदूषण और जल संकट दोनों से आम जनता परेशान हैं। मालवा क्षेत्र के बारे में लंबे समय से एक आम कहावत है पग-पग रोटी, डग-डग नीर अर्थात हर कदम पर भोजन और हर कदम पर पानी। मालवा में इंदौर शहर भी ऐतिहासिक रूप से अपने जल स्रोतों जैसे बावड़ियों, तालाबों और कुओं के लिए जाना जाता था। समय के साथ, जैसे-जैसे इन पारंपरिक जल स्रोतों की उपेक्षा की गई और नर्मदा जल आपूर्ति परियोजनाओं पर निर्भरता बढ़ गई। यह भी एक सच्चाई है कि एशियाई विकास बैंक(एडीबी) से ऋण सुरक्षित करने के लिए, शहरी सार्वजनिक जल आपूर्ति प्रणाली को जानबूझकर विफल के रूप में पेश किया गया, ताकि एडीबी की शर्तों के तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के नाम पर निजीकरण का रास्ता साफ किया जा सके। एडीबी ऋण की शर्तों में बेहतर प्रबंधन के नाम पर जल आपूर्ति के विभिन्न घटकों के संचालन को निजी कंपनियों को सौंपना शामिल था। इसमें नगर निगम के कर्मचारियों की छंटनी और जल वितरण, बिलिंग और राजस्व संग्रह, संचालन और रखरखाव, मीटरिंग और संबंधित गतिविधियों को निजी फर्मों को आउटसोर्स करना शामिल था। बदले में, नागरिकों को 24 घंटे पानी की आपूर्ति का सपना दिखाया गया।

सरकार की भूमिका धीरे-धीरे नियामक तक सीमित होती जा रही है। सार्वजनिक जल आपूर्ति पर नगर निगम और स्थानीय निकायों की जवाबदेही धीरे-धीरे कमजोर हो रही है। निजी कंपनियां सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहती हैं, जिससे पारदर्शिता कम होती है। जनता की शिकायतों का समाधान भी जटिल और धीमा हो गया है। मध्यप्रदेश में पानी का निजीकरण केवल एक नीतिगत निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा सवाल है। गंभीर सवाल यह है कि नगर निगम और प्रशासन की निगरानी व्यवस्था कहां है?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ट्रंप युग की आक्रामक नीतियां और बदलती वैश्विक व्यवस्था

-प्रहलाद सबनानी-

हाल के वर्षों में अमेरिकी नीतियों और निर्णयों पर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका एक बार फिर अपनी पुरानी साम्राज्यवादी मानसिकता की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन द्वारा उठाए गए कई कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मयार्दाओं को चुनौती देते हैं, वहीं वैश्विक शक्ति संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को रात्रि में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाने की धमकी और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास इसी साम्राज्यवादी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

इसी क्रम में अमेरिका की निगाह डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी टिकी हुई है। ग्रीनलैंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि डेनमार्क नाटो का सदस्य और अमेरिका का मित्र राष्ट्र है। किसी मित्र राष्ट्र की संप्रभुता को चुनौती देकर उसके अधीन क्षेत्र को बलपूर्वक अपने अधिपत्य में लेने का प्रयास अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्वीकार्य है। इससे पहले ट्रम्प द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी भी इसी मानसिकता को उजागर करती है। कनाडा भी अमेरिका का घनिष्ठ सहयोगी रहा है, किंतु साम्राज्यवादी सोच के आगे मित्रता और साझेदारी भी गौण हो जाती है।

अमेरिका द्वारा ब्रिक्स देशों भारत, रूस, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी को केवल व्यापारिक नीति के रूप में देखना भूल होगी। यह कदम वास्तव में उभरती बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। ब्रिक्स देशों द्वारा डीडोलराइजेशन की दिशा में उठाए जा रहे कदम, अर्थात आपसी व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग, अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधी चुनौती देते हैं। डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अमेरिका की शक्ति का प्रमुख आधार रही है, और जब यह आधार हिलता है, तो अमेरिका असहज हो जाता है।

ब्रिक्स देशों की बढ़ती आर्थिक साझेदारी, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां और साझा वित्तीय संस्थाएं अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही हैं। इसी कारण अमेरिका न केवल छोटे और निर्भर देशों पर, बल्कि भारत, चीन और रूस जैसे बड़े और आत्मनिर्भर देशों पर भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। किंतु अमेरिका यह भूल जाता है कि जिन देशों की अर्थव्यवस्था, जनसंख्या, संसाधन और बाजार विशाल हैं, वे किसी एक शक्ति के दबाव में आने वाले नहीं हैं।

ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति को यदि "हस्तक्षेपवाद 2.0" कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतिहास गवाह है कि पिछले ढाई सौ वर्षों में अमेरिका ने विश्व के विभिन्न देशों में लगभग 400 बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप किया है। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य कार्रवाई, सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना अमेरिका की नीति का हिस्सा रहा है। आज भी यही प्रवृत्ति नए रूप में सामने आ रही है। भारत और चीन पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण दबाव बनाना इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका अब यह तय करना चाहता है कि कौन सा देश किससे व्यापार करेगा। यह न केवल साम्राज्यवाद, बल्कि अधिनायकवादी मानसिकता की चरम अवस्था है।

अमेरिका द्वारा 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपनी सदस्यता समाप्त करना भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यह कदम वैश्विक सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को कमजोर करता है। अमेरिका अब किसी साझा मंच पर विश्व का नेतृत्व करने के बजाय एकपक्षीय शक्ति मॉडल के माध्यम से विश्व पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर अमेरिका यह संदेश दे रहा है कि वह केवल उन्हीं नियमों को मानेगा जो उसके हित में हों।

वर्तमान में ट्रंप प्रशासन इस बात से भी चिंतित है कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिम से पूर्व की ओर खिसकता जा रहा है। एशियाई देशों की बढ़ती भूमिका, विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तकनीकी क्षमता अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दे रही है। चीन, रूस और भारत का एक साथ उभरना अमेरिका को स्वीकार नहीं है। साथ ही, अमेरिका नहीं चाहता कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाए, यूरोपीय यूनियन स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए या डीडोलराइजेशन को गति मिले।

यूरोपीय यूनियन के देशों में भी अमेरिका के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि वे अपने रक्षा बजट में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहे हैं। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच उत्पन्न तनाव नाटो जैसे सैन्य गठबंधन के अस्तित्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा सकता है। नाटो के कई सदस्य देशों ने स्पष्ट कहा है कि ग्रीनलैंड पर हमला नाटो पर हमला माना जाएगा, जो भविष्य में गंभीर टकराव का संकेत है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों को एक "सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध" के रूप में देखा जा सकता है। इसमें प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय तेल, मुद्रा, तकनीक, समुद्री मार्ग, सप्लाई चेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे साधनों के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है। अमेरिका चाहता है कि वित्त, व्यापार, सैन्य गठबंधन और तकनीक एक बार फिर उसी की चौखट पर खड़े हों। उसका उद्देश्य तीसरा विश्व युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था का अपने पक्ष में पुनर्गठन है।

अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस जैसे मंच से अमेरिका का बाहर निकलना यह दशार्ता है कि वह पर्यावरण और वैश्विक कल्याण जैसे मुद्दों पर भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है। जबकि जलवायु परिवर्तन जैसे संकट से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। भारत और फ्रांस के नेतृत्व में बना यह मंच विकासशील देशों के लिए आशा की किरण है।

आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अकेले चलना संभव नहीं है। परस्पर सहयोग, मुक्त व्यापार समझौते और क्षेत्रीय साझेदारियां ही भविष्य का मार्ग हैं। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व नए समीकरण गढ़ रहा है। यह संकेत है कि यदि अमेरिका अपनी साम्राज्यवादी सोच पर अड़ा रहा, तो वह स्वयं को वैश्विक मंच पर अकेला पा सकता है। यही कारण है कि अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध आज नए वैश्विक समीकरण आकार ले रहे हैं।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ और वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

नेपाल में 62 प्रतिशत उम्मीदवार 40 वर्ष से कम आयु के

एजेंसी

काठमांडू। प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत नामांकन पत्र दाखिल वाले उम्मीदवारों की संख्या 3,484 पहुंच गई है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कुल उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या 11 प्रतिशत अर्थात 395, पुरुष 3,088 यानी 79 प्रतिशत और अन्य एक उम्मीदवार हैं। आयु वर्ग के आधार पर देखें तो 36 से 40 वर्ष आयु समूह में सबसे अधिक 46 प्रतिशत अर्थात 1,610 उम्मीदवार हैं। इस समूह में 235 महिलाएं और 1,375 पुरुष शामिल हैं। 25 से 35 वर्ष आयु समूह में 16 प्रतिशत यानी 583 उम्मीदवार पंजीकृत हुए हैं, जबकि 41 से 45 वर्ष आयु समूह में 31 प्रतिशत यानी 1,090 उम्मीदवार हैं। 45 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवारों की संख्या 5 प्रतिशत यानी 201 है। राजनीतिक दलों की ओर से नामांकन पत्र भरने वाले उम्मीदवारों की संख्या 2,297 है। इनमें से 10 प्रतिशत यानी 235 महिलाएं, 90 प्रतिशत यानी 2,064 पुरुष और एक अन्य लिंग के उम्मीदवार शामिल हैं। वहीं, स्वतंत्र उम्मीदवारों की संख्या 1,187 है, जिनमें 160 महिलाएं और 1,024 पुरुष हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस बार प्रतिनिधि सभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने वाले राजनीतिक दलों की संख्या 68 है। आयोग ने बताया है कि ये आंकड़े प्रारंभिक हैं, जिनमें सामान्य बदलाव हो सकता है।

स्पेन में एक और ट्रेन हादसा, एक की मौत, 37 घायल

मैड्रिड (स्पेन)। स्पेन में एक सप्ताह के भीतर हुए दूसरे रेल हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हादसा स्पेन के बार्सिलोना शहर के पास गेलिडा में हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, यह ट्रेन देश के उत्तर-पूर्व में गेलिडा और सैंट सैडर्नी डी'एनोइया नगर पालिका के मध्य चलती है। रोजाना हजारों लोग इस गाड़ी का प्रयोग करते हैं। अमेरिकी चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा स्पेन में पिछली रेल दुर्घटना के ठीक दो दिन बाद हुआ। दक्षिणी कॉर्डोबा प्रांत के अदामुज के पास दो हाई-स्पीड ट्रेनें टकरा गई थीं, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। ट्रेन हादसा आर 4 लाइन पर हुआ। कैटेलोनिया की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता के अनुसार भारी बारिश की वजह से सुरक्षा दीवार पटरियों पर गिर गई थी। इस वजह से यह ट्रेन फिसलकर पटरी से उतर गई। ट्रेन ऑपरेटर के बयान के अनुसार, यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 10:00 बजे हुई। स्पेन के अखबार एल पेइस के अनुसार, रविवार को अदमूज (कोर्डोबा) में दो हाई-स्पीड ट्रेनों के पटरी से उतरने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिविल गार्ड और अंडालूसी आपातकालीन सेवाओं के सूत्रों के अनुसार, 38 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

नासा बड़ी उड़ान की तैयारी में, आर्टेमिस-2 रचेगा इतिहास

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रबंधन' (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) यानी नासा मनुष्य को पृथ्वी की कक्षा से बाहर ले जाने की अंतिम तैयारी में जुटा हुआ है। नासा वैज्ञानिकों की पूरी कोशिश है कि आर्टेमिस-2 की लॉन्चिंग फरवरी के पहले सप्ताह हो जाए। अगर फरवरी में यह संभव नहीं हो पाया तो इसे अप्रैल में हर हाल में लक्ष्य पर भेजा जाएगा। नासा की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा गया है कि आर्टेमिस-2 अंतरिक्ष यात्रियों को पहले से कहीं ज्यादा दूर भेजने से बस कुछ ही हफ्ते दूर है। नासा के प्रशासक जेरेड आइजकमैन ने कहा, आर्टेमिस-2 इंसान की अंतरिक्ष उड़ान की दिशा में अब तक सबसे बड़ा कदम होगा। यह ऐतिहासिक मिशन इंसान को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर भेजेगा और हमें चंद्रमा पर लौटने के लिए जरूरी जानकारी देगा। यह सब अमेरिका की अगुवाई में होगा। उन्होंने कहा कि आर्टेमिस-2 चंद्रमा पर एक स्थायी मौजूदगी बनाने और अमेरिकियों को मंगल पर भेजने की दिशा में प्रगति को दर्शाता है। नासा की वेबसाइट के अनुसार, चंद्रमा पृथ्वी से 41,541 मील दूर है। मगर यह दूरी नासा के आगामी मिशन आर्टेमिस-2 के लिए एक पड़ाव भर है। यह मिशन अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार इंसान को पृथ्वी की कक्षा से बाहर, चांद के चारों ओर और उससे भी आगे ले जाएगा।

रूसी हमले के बाद यूक्रेन की संसद अंधेरे में, बिजली-पानी और हीटिंग ठप

कीव। रूस द्वारा रातभर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इन हमलों के चलते राजधानी कीव में स्थित यूक्रेनी संसद भवन (वर्खोवना राडा) में बिजली, पानी और हीटिंग की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है।

यूक्रेन की संसद के स्पीकर रूसलान स्टेफानचुक ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि ताजा रूसी हमलों के बाद कई यूक्रेनी शहरों में बुनियादी सेवाएं बाधित हो गई हैं। उन्होंने बताया कि संसद भवन भी फिलहाल बिजली, पानी और हीटिंग जैसी आवश्यक सुविधाओं से वंचित है। स्टेफानचुक ने कहा कि रूस के लगातार हमलों से आम नागरिकों के जीवन पर गहरा असर पड़ रहा है और ऊर्जा ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेनी प्रशासन हालात सामान्य करने के प्रयासों में जुटा हुआ है।

चुनाव अभियान के दौरान आपस में भिड़े बीएनपी और जमात कार्यकर्ता, कई घायल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी को नई सरकार चुनने के लिए वोट डाले जाएंगे। सभी दल वोटर्स को लुभाने की जुगत में हैं। एक चुनाव अभियान के दौरान देश की दो प्रमुख पार्टियों के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त मार पीट हुई। इस हिंसा में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के कई कार्यकर्ता और समर्थक घायल हो गए। घटना ढाका के मीरपुर इलाके में हुई। गवाहों के हवाले से, बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने बताया कि यह झड़प मंगलवार शाम करीब 4:00 बजे हुई, जब जमात कार्यकर्ताओं का एक समूह मुबारक मस्जिद के पास प्रचार कर रहा था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजधानी में 'हेवन टावर' नाम की 10-मंजिला इमारत में घुसने की कोशिश करते समय जमात कार्यकर्ताओं का सामना बीएनपी के लोगों से हुआ।

इमारत के एक सुरक्षा गार्ड अब्दुल अलीम ने बताया कि बीएनपी के लोगों ने जमात कार्यकर्ताओं को रोक दिया और दावा किया कि 22 जनवरी से पहले चुनाव प्रचार की इजाजत नहीं है। इमारत के फ्लैट मालिकों के एसोसिएशन के पूर्व महासचिव इदरीस अली ने दावा किया कि जमात कार्यकर्ता घरों में जाकर निवासियों से वोट मांग रहे थे। द डेली स्टार ने अली के हवाले से कहा, 'उन्होंने पहले भी इस इलाके और इस इमारत में कई बार प्रचार किया है। हमने तो एंट्री गेट पर एक नोटिस बोर्ड भी लगाया था जिस पर लिखा था 'यहां राजनीतिक चर्चा और प्रचार मना है,' लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। ' कई स्थानीय बीएनपी नेताओं ने जमात कार्यकर्ताओं पर प्रचार के दौरान निवासियों के मोबाइल नंबर और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगने का आरोप लगाया। दोनों समूहों के बीच तीखी बहस हुई, लेकिन आखिरकार स्थिति शांत हो गई और दोनों पक्ष तितर-बितर हो गए। हालांकि, मस्जिद के बाहर कथित तौर पर तनाव फिर से बढ़ गया, जिसमें स्थानीय बीएनपी नेताओं ने दावा किया कि जमात कार्यकर्ताओं ने उनके कुछ सदस्यों को घेर लिया और उन पर जमात कार्यकर्ताओं को इमारत के अंदर 'बंद करने' का आरोप लगाया।

काफरुल थाना से बीएनपी की युवा शाखा जुबो दल के पूर्व महासचिव शरीफुल इस्लाम मिलन ने कहा, 'जमात के 100-150 लोग मस्जिद के सामने आए और हमारे लोगों का पीछा किया। यह सुनकर लगभग 1,000-1,500 लोग इकट्ठा हो गए। ' स्थानीय निवासियों ने बताया कि बीएनपी कार्यकर्ता मस्जिद के आसपास की गलियों में जमा हो गए और जमात विरोधी नारे लगाने लगे। मिलन ने दावा किया कि झड़प में छह बीएनपी कार्यकर्ता घायल हुए, जिनमें से तीन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार रात को हुए हमलों की एक श्रृंखला के बाद, कुमिला जिले के चौदग्राम उपजिला में बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच झड़प में पांच लोग घायल हो गए थे।

बांग्लादेश के सुंदरबन में समुद्री डाकुओं का डेरा, दहशत में मछुआरे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की 1320 किलोमीटर की समुद्री सीमा पर स्थानीय मछुआरों के लिए सुंदरबन में घुसना आसान नहीं है। यहां समुद्री डाकुओं (समुद्री दस्युओं) के दर्जनों गिरोह पहुंच चुके हैं। यह डाकू मछुआरों को कथित तौर पर परमिट जारी करते हैं। इसके एवज में मोटा पैसा लेते हैं। बांग्लादेश तट रक्षक बल ने इस नए खतरे का मुकाबला करने के लिए ऑपरेशन तेज कर दिए हैं। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मछुआरों का कहना है कि पैसा न देने पर उनका अपहरण कर लिया जाता है। इस दौरान यातना दी जाती है। फिर फिरौती देने पर ही छोड़ा जाता है। इससे बचने के लिए वह समुद्री डाकू समूहों के तथाकथित टोकन लेने के लिए मजबूर हैं। बताते हैं कि 2017 में बड़े पैमाने पर समुद्री डाकुओं के आत्मसमर्पण के बाद यह प्रथा काफी हद तक खत्म हो गई थी। मगर पांच अगस्त, 2024 को राजनीतिक अशांति के बाद फिर से सुंदरबन में डाकू सक्रिय हो गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुंदरबन से सटे सतखिरा, बागेरहाट और खुलना जिलों के जंगलों में 10 से ज्यादा समुद्री डाकू समूह सक्रिय हैं। यह डाकू कथित तौर पर मछुआरों को समानांतर परमिट जारी करते हैं। इनका परमिट टोकन होता है। यह टोकन तय पैसा लेने के बाद दिया जाता है। इस टोकन के बाद ही मछुआरों को बेखौफ होकर खास इलाकों से गुजरने की इजाजत मिलती है। कुछ मछुआरों ने बताया कि टोकन अकसर एक खास सीरियल नंबर वाला करेंसी नोट होता है। उसपर समुद्री डाकू समूह मछुआरे के नाम लिख देते हैं। इस टोकन को जंगल में घुसते समय पास में रखना होता है।

इंडिया-कनाडा एआई डायलॉग 2026 : जिम्मेदार एआई के लिए द्विपक्षीय सहयोग पर जोर

एजेंसी

टोरंटो। समावेशी, जिम्मेदार और समाज के हित में काम करने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारत की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए कनाडा के टोरंटो शहर में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'इंडिया-कनाडा एआई डायलॉग 2026' का आयोजन किया। इस संवाद में भारत और कनाडा के बीच सहयोग को अर्थव्यवस्था और समाज दोनों के लिए लाभकारी बताया गया। यह उच्चस्तरीय संवाद कनाडा के ओंटारियो प्रांत में स्थित कनाडा की वाटरलू यूनिवर्सिटी, कनाडा इंडिया टेक काउंसिल और ज़ोहो इंक. के साथ सहयोग से आयोजित किया गया। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अनुसार, यह संवाद दुनिया के कुछ चुनिंदा प्री-समिट कार्यक्रमों में से एक था। इसका उद्देश्य नई दिल्ली में 19-20 फरवरी को होने वाले बड़े वैश्विक सम्मेलन 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले विचारों का आदान-प्रदान करना और सहयोग को गति देना था।इस कार्यक्रम में कनाडा भर से 600 से अधिक वरिष्ठ लोग शामिल हुए। इनमें बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी, नीति बनाने वाले लोग, शोधकर्ता और नवाचार से जुड़े

विशेषज्ञ मौजूद थे। सभी ने मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत और कनाडा के बीच सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने कहा कि यह संवाद दोनों देशों की उस साझा सोच को दिखाता है, जिसमें तकनीक का विकास जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ किया जाए। पटनायक ने कहा, 'इंडिया-कनाडा एआई डायलॉग 2026 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को ज़िम्मेदारी से आकार देने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है। जैसे-जैसे हम नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की ओर बढ़ रहे हैं, यह जुड़ाव इस बात पर जोर देता है कि कनाडा जैसे भरोसेमंद साझेदार भारत के साथ मिलकर कैसे ऐसे इनोवेशन को बढ़ावा दे सकते हैं जो समावेशी, नैतिक और विश्व स्तर पर प्रासंगिक हो। ' कनाडा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल नवाचार मंत्री इवान सोलोमन ने कहा कि एआई अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की जरूरत बन चुकी है और इसका उपयोग लोगों और समाज के भले के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत और कनाडा की एक साझा ज़िम्मेदारी है: यह सुनिश्चित करना कि यह तकनीक लोगों की सेवा करे, समाजों को मजबूत करे और वास्तविक आर्थिक मूल्य प्रदान करे। '

मैक्रों ने ग्रीनलैंड में नाटो अभ्यास की उठाई मांग, ट्रंप के मंत्री बोले-फ्रांस के खस्ताहाल बजट पर दें ध्यान

एजेंसी

पेरिस/दावोस। फ्रांस ने ग्रीनलैंड में नाटो के सैन्य अभियान की मांग करते हुए इसमें पूर्ण योगदान देने का दावा किया है। इस बयान को लेकर जब दावोस में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से सवाल किया गया तो उन्होंने फ्रांस के खस्ताहाल बजट की ओर ध्यान देने की सलाह दे डाली। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को मैक्रों के कार्यालय के हवाले से ये जानकारी दी। बताया कि उन्होंने ग्रीनलैंड में नाटो अभ्यास की मांग उठाई है। उनकी इस मांग को लेकर जब दावोस में अमेरिका के वित्त मंत्री बेसेंट से सवाल किया गया तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरी तो यही सलाह है कि मैक्रों को अपने देश के आर्थिक हालात की फिक्र होनी चाहिए। उन्हें अपनी जनता की चिंता करनी चाहिए, खस्ताहाल बजट की ओर ध्यान देना चाहिए। मैक्रों का नाटो अभ्यास बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को विश्व आर्थिक मंच का इस्तेमाल यूरोपीय विरोध के बावजूद ग्रीनलैंड को आक्रामकता' बताया था। साथ ही ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का विकल्प मानने से भी

हासिल करने की अपनी कोशिश को तेज करने के लिए कर सकते हैं। दावोस में मैक्रों ने कहा था कि यूरोप धमकियों के आगे नहीं झुकेगा और न ही डरेगा। यह ट्रंप की उस धमकी की कड़ी आलोचना थी जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर यूरोप उन्हें ग्रीनलैंड पर कब्जा नहीं करने देता है तो वह भारी टैरिफ लगाएंगे। मैक्रों ने टैरिफ को 'बेवकूफाना' और 'अनावश्यक इनकार कर दिया था। दावोस में नाटो नेताओं ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की रणनीति गठबंधन को खतरे में डाल सकती है। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रुटे द्वारा भेजे गए टेक्स्ट मैसेज का स्क्रीनशॉट शेयर किया था, जिसमें दोनों नेताओं ने उनके शांति प्रयासों की सराहना की थी।

अमेरिकी एजेंसी ने भारत-सिंगापुर सबमरीन केबल लिंक प्रोजेक्ट का किया समर्थन

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी ट्रेड एंड डेवलपमेंट एजेंसी ने भारत को सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशियाई डेटा हब से जोड़ने वाले एक प्रस्तावित सबमरीन केबल सिस्टम के लिए सपोर्ट की घोषणा की। यूएसटीडीए ने कहा कि उसने एससीएनएक्स3 सबमरीन केबल सिस्टम के लिए एक फीजिबिलिटी स्टडी को फंड करने के लिए सबकनेक्स मलेशिया एसडीएन.बीएचडी. के साथ एक एग्रीमेंट साइन किया है। यह प्रोजेक्ट भारत को सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के दूसरे हिस्सों से जोड़ेगा और इससे लगभग 1.85 बिलियन लोगों को सर्विस मिलने की उम्मीद है। यूएसटीडीए ने कहा कि यह स्टडी केबल सिस्टम के लिए निवेश लाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड-बेस्ड सर्विसेज के लिए जरूरी क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए डिजाइन की गई है। एजेंसी ने

कहा कि इस कोशिश के जरिए यह सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी कि इंटरनेशनल नेटवर्क भरोसेमंद और सुरक्षित रहें। इसके साथ ही साइबर खतरों और विदेशी दखलंदाजी के खतरे को कम किया जा सके। यह एग्रीमेंट हवाई के होनोलूलू में पैसिफिक टेलीकम्युनिकेशंस काउंसिल 26 कॉन्फ्रेंस में साइन किया गया था।

यूएसटीडीए के डिप्टी डायरेक्टर थॉमस आर हार्डी ने कहा, 'सेंसिटिव डेटा और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को साइबर हमलों और विदेशी जासूसी से बचाने के लिए सुरक्षित, अमेरिका में बनी सबसी केबल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना जरूरी है। यह प्रोजेक्ट दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में हमारे साझेदारों की रणनीतिक प्राथमिकता को आगे बढ़ाता है और वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में अमेरिका के नेतृत्व को मजबूत करता है। '

सबकनेक्स ने फिजिबिलिटी स्टडी करने के लिए फ्लोरिडा की एपीटेलीकॉम एलएलसी को चुना है। स्टडी रूट डिजाइन, इंजीनियरिंग, फाइनेंशियल मॉडलिंग, कमर्शियलाइजेशन प्लानिंग और रेगुलेटरी एनालिसिस पर फोकस करेगी।

यूएसटीडीए के मुताबिक, इस काम का मकसद एससीएनएक्स3 केबल प्रोजेक्ट के लिए निजी निवेश को बढ़ाना और शुरुआती स्टेज के रिस्क को कम करना है। अमेरिकी एजेंसी ने कहा कि सिस्टम के टेक्निकल और कमर्शियल फ्रेमवर्क को बनाने में अमेरिकी विशेषज्ञ अहम भूमिका निभाएंगे।

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज की ताजा रिपोर्ट ने संघीय सरकार की शिक्षा आपात नीति की पोल खो दी है।रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 2.5 करोड़ (25 मिलियन) बच्चे अभी भी स्कूल से बाहर हैं। देश में शिक्षा पर कुल खर्च 5 खरब (500 बिलियन रुपये) तक पहुंच गया है। इस खर्च का बड़ा हिस्सा अब सरकार के बजाय आम पाकिस्तानी परिवार उठा रहे हैं।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज ने कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार है कि शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकार के शिक्षा बजट से ज्यादा हो गया है। रिपोर्ट के 15वें संस्करण के अनुसार, 25 मिलियन से ज्यादा बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। आंकड़े बताते हैं कि जनता शिक्षा पर 280 अरब रुपये खर्च कर रही है, जबकि सरकारी निवेश घटकर 220 अरब रुपये हो गया है। नतीजतन, शिक्षा का 56 प्रतिशत वित्तीय बोझ जनता उठा रही है और सिर्फ 44 प्रतिशत सरकार उठा रही है। माता-पिता प्राइवेट स्कूलों की फीस पर 1,31,0 अरब रुपये , कोचिंग और ट्यूशन पर 613 अरब रुपये और शिक्षा से जुड़े अन्य निजी खर्चों पर 878 अरब रुपये खर्च करने के लिए मजबूर हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिसी साइंसेज के कार्यकारी निदेश डॉ. सलमान हुमायूं ने कहा कि जब शिक्षा पर परिवारों का खर्च सरकारी निवेश से ज्यादा हो जाता है, तो यह एक गंभीर समानता संकट का संकेत देता है।

एआई कुछ नौकरियों को बेहतर बना रहा है, तो कुछ की जगह भी ले रहा है, स्किल्स पर फोकस जरूरी :आईएमएफ प्रमुख

एजेंसी

दावोस। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह से लेबर मार्केट यानी नौकरी के क्षेत्र में सुनामी जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि एआई कुछ नौकरियों को बेहतर बना रहा है, तो वहीं कुछ नौकरियों की जगह भी ले रहा है। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि दुनिया अब एआई के दौर में प्रवेश कर चुकी है, लेकिन उन्हें चिंता है कि एआई से मिलने वाले मौके हर जगह एक जैसे नहीं हैं। कहीं ज्यादा अवसर हैं तो कहीं बहुत कम। उन्होंने कहा, 'एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है। कुछ काम बढ़ रहे हैं, कुछ खत्म हो रहे हैं। हमें लोगों की स्किल्स बढ़ाने में निवेश करना होगा और समाज को इसके लिए तैयार करना होगा। ' आईएमएफ प्रमुख

ने बताया कि एआई की वजह से अनुवाद, भाषा समझने और रिसर्च से जुड़े कामों में उत्पादन क्षमता बढ़ रही है। इन क्षेत्रों में एआई लोगों की मदद कर रहा है, उनकी जगह नहीं ले रहा। लेकिन उन्होंने उन समुदायों को लेकर चिंता जताई जहां एआई की पहुंच अभी भी नहीं है। आईएमएफ के अनुसार, दुनिया में औसतन 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित हो रही हैं। इनमें कुछ नौकरियां बेहतर बन रही हैं, कुछ बदल रही हैं और कुछ खत्म भी हो सकती हैं। विकसित देशों में यह असर करीब 60 प्रतिशत नौकरियों पर है, जबकि गरीब देशों में यह 20 से 26 प्रतिशत के बीच है। जॉर्जीवा ने कहा कि एआई की वजह से वैश्विक आर्थिक विकास पर 0.1 से 0.8 प्रतिशत तक का असर पड़ सकता है। अगर उत्पादन क्षमता में 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है, तो दुनिया की आर्थिक ग्रोथ कोरोना महामारी से पहले के स्तर से भी ज्यादा हो सकती है।

इस सत्र में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सिर्फ बड़ा एआई मॉडल बनाना ही किसी देश को ताकतवर नहीं बनाता। उन्होंने कहा कि हमें पांचवीं औद्योगिक क्रांति की अर्थव्यवस्था को समझना होगा। इस दौर में असली ताकत आरओआई यानी निवेश पर मिलने वाले लाभ से आएगी। सबसे कम लागत में सबसे ज्यादा फायदा पाने वाली तकनीक ही सफल होगी। सऊदी अरब के निवेश मंत्रालय के निवेश मंत्री खालिद अल-फालीह ने कहा कि एआई को लेकर दुनिया में तेज प्रतिस्पर्धा चल रही है। हर देश इसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना चाहता है, लेकिन एआई की असली ताकत तब सामने आएगी ।

चुनाव के नामांकन प्रक्रिया में उत्साहजनक सहभागिता के बाद प्रधानमंत्री कार्की ने जताया आभार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने देश में आगामी संसदीय चुनावों में भाग लेने के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उत्साहपूर्वक नामांकन करने वाले सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के प्रति आभार व्यक्त किया है।श्रीमती कार्की ने स्पष्ट किया कि चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और विश्वसनीय वातावरण में संपन्न कराने के लिए नेपाल सरकार पूरी ईमानदारी और क्षमता के साथ प्रयासरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी सुरक्षा संयंत्र उच्च सतर्कता के साथ परिचालित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया में दिखाई दे रहा उत्साह और प्रतिबद्धता केवल राजनीतिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि निजी क्षेत्र और समग्र अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि 165 पदों के लिए 3,400 से अधिक उम्मीदवारों द्वारा मनोनयन दायर किया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था में गहरे विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय उत्साह इस बात की पुनः पुष्टि करता है कि नेपाली जनता लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए सजग और सक्षम है।

देश से अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति पूरी तरह समाप्त होने की बात कहते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि पूरा राष्ट्र इस लोकतांत्रिक महाकुंभ में सहभागी हो चुका है। राष्ट्र के नाम अपने संदेश में प्रधानमंत्री कार्की ने इस लोकतांत्रिक अभ्यास को सफल बनाने के लिए राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और संचार माध्यमों की रचनात्मक भूमिका निर्वाह करने के लिए आह्वान किया है। नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के चुनाव के लिए 20 जनवरी को सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक नामांकन दाखिल किया गया। प्रतिनिधि सभा की 165 सीटों के लिए 391 महिलाओं सहित कुल 3,428 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। कार्यक्रम के अनुसार किसी भी उम्मीदवार के विरुद्ध आपत्ति दर्ज कराने का समय बुधवार 21 जनवरी को सुबह 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक निर्धारित है। इसके बाद उम्मीदवारों की सत्यापित सूची प्रकाशित की जाएगी। जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहते हैं।

ट्रम्प ने नया नक्शा किया शेयर, कनाडा-ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को दिखाया अमेरिका का क्षेत्र

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर एक संशोधित (एआई-जनित) तस्वीर साझा की है, जिसमें कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्र के रूप में दिखाया गया है। इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और कूटनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है।तस्वीर में ट्रम्प को अन्य देशों के नेताओं के साथ व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में दिखाया गया, पीछे एक नक्शा है जिसमें इन तीनों क्षेत्रों को अमेरिकी झंडे के साथ एक साथ दर्शाया गया है। यह तस्वीर अगस्त 2025 की एक वास्तविक बैठक की तस्वीर पर आधारित है, जिसमें ट्रम्प ने यूरोपीय नेताओं के साथ यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की थी। एक अन्य पोस्ट में ट्रम्प खुद, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और विदेश सचिव मार्को रुबियो को ग्रीनलैंड में अमेरिकी झंडा लगाते हुए दिखाया गया है, जहां तस्वीर में एक तख्ती पर लिखा है- 'ग्रीनलैंड - यूएस टेरीटरी इस्ट. 2026 '। ट्रम्प इन चित्रों को साझा करते हुए डेनमार्क के अधीन स्वायत्त ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लेने की अपनी जोरदार इच्छा दोहराई है, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया है। इससे पहले उन्होंने कहा कि अगर डेनमार्क इसपर सहमत नहीं होता है तो अमेरिका 10फीसदी और बाद में 25फीसदी तक टैरिफ लगा सकता है।

फ्रांस और कनाडा ने बड़ी ताकतों के खतरे का मुकाबला करने के लिए एकजुटता की अपील की

एजेंसी

न्यूयॉर्क। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो रहे हैं। दूसरी तरफ, ट्रंप ने फ्रांस के पेरिस में जी7 की आपातकालीन बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी7 में शामिल होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को निमंत्रण दिया था, जिस पर ट्रंप ने कहा कि नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा, क्योंकि इमैनुएल बहुत लंबे समय तक वहां नहीं रहने वाले हैं और वहां कोई स्थायित्व नहीं है। इससे पहले उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ अपनी बातचीत का एक स्क्रीनशॉट ट्रूथ सोशल पर साझा किया था। ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के कदम और कनाडा पर कब्जा करने में उनकी नई दिलचस्पी को लेकर वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के नेताओं ने बड़ी ताकतों के दबाव का विरोध करने की अपील की।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि दुनिया के सामने जो अस्थिरता और असंतुलन है, उसका जवाब उभरते देशों, ब्रिक्स और जी20 के साथ पुल बनाना और ज्यादा सहयोग करना है। ' कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, 'मिडिल पावर्स को मिलकर काम करना चाहिए क्योंकि अगर आप टेबल पर नहीं हैं, तो आप मेन्यू में हैं। बड़ी ताकतें अब अकेले चलने का जोखिम उठा सकती हैं। ' उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड ऑर्डर टूट रहा है, एक अच्छी कल्पना का अंत हो रहा है और एक क्रूर सच्चाई की शुरुआत हो रही है, जहां बड़ी ताकतों की भू-राजनीति पर कोई रोक नहीं है। ' ट्रंप या अमेरिका का नाम लिए बिना, उन्होंने कहा, 'मैं सीधे कहता हूं, हम एक बदलाव के नहीं, बल्कि बिखरने के बीच में हैं। ' ग्रीनलैंड पर कब्जा का विरोध कर रहे देशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने अगले महीने फ्रांस और डेनमार्क का समर्थन करने वाले सात दूसरे देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने चेतावनी दी कि ट्रंप का एक्शन हमें खतरनाक रास्ते की ओर ले जाएगा, जो सिर्फ उन्हीं दुश्मनों की मदद करेगा, जिन्हें हम रणनीतिक माहौल से बाहर रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। '

अमेरिकी अधिकारियों ने दावोस में यूरोपियन लोगों को भरोसा दिलाने की कोशिश की। अमेरिकी वित्त विभाग के सचिव स्कॉट बेसेंट ने शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि लेटेस्ट टैरिफ खतरों की तुलना ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित बड़े टैरिफ से की जा सकती है। ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीर ने फोरम में अपने भाषण में कहा कि टैरिफ खतरा बातचीत की एक चाल थी। ट्रंप इस मोर्चे पर जो उम्मीद करते हैं, उसे लेकर बहुत साफ हैं। वहीं, इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका खुले तौर पर टैरिफ के जरिए यूरोप को कमजोर और अपने अधीन करना चाहता है। इससे नियमों पर आधारित व्यवस्था खत्म हो रही है।

अमेरिका से इतर उन्होंने चीन से खतरे के बारे में भी बात की। मैक्रों ने माना कि चीन की बहुत ज्यादा क्षमता और गलत कामों से पूरे इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेक्टर पर असर पड़ने का खतरा है। उन्होंने यूक्रेन पर रूस के हमले का भी जिक्र किया।

ग्रीनलैंड को ट्रंप की धमकी के बारे में उन्होंने कहा, 'फ्रांस और यूरोप राष्ट्रीय संप्रभुता और आजादी, संयुक्त राष्ट्र और उसके चार्टर से जुड़े हुए हैं। '

दूसरे विश्व युद्ध के अनुभवों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सहयोग की जरूरत है और हमने ग्रीनलैंड में आपसी अभ्यास में शामिल होने का फैसला किया है, बिना किसी को धमकी दिए, बल्कि सिर्फ एक साथी और दूसरे यूरोपीय देश, डेनमार्क का समर्थन करते हुए।

चावल, चीनी, दालों में तेजी; खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं की कीमतों में टिकाव रहा। चीनी और दालों के दाम भी बढ़े। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये बढ़कर 3,854 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,856 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत भी दो रुपये बढ़ी। दाल-दलहनों में तेजी का रुख रहा। तुअर दाल औसतन 33 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ी। उड़द दाल 22 रुपये और मसूर दाल 17 रुपये मजबूत हुई। चना दाल 16 रुपये और मूंग दाल 15 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 26 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,120 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिका सोया तेल का मार्च वायदा 0.36 प्रतिशत चढ़कर 52.80 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 48 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 27 रुपये और वनस्पति 22 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल और पाम ऑयल में टिकाव रहा। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी पांच रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

रुपया सात पैसे टूटा, ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.97 रुपये का बोला गया। यह रुपये का अब तक का निचला बंद स्तर है। इससे पहले, 16 दिसंबर 2025 को यह बीच कारोबार में 91.14 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़कने के बाद 90.93 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। भारतीय मुद्रा में यह लगातार पांचवीं गिरावट है। यह 11.25 पैसे टूटकर 90.90 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। पांच दिन में यह 79.50 पैसे टूटा है। रुपया आज एक पैसे फिसलकर 90.91 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। यह ऊपर 90.88 रुपये और नीचे 91.06 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंत में 90.97 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में करीब एक प्रतिशत की नरमी से रुपये को समर्थन मिला, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली के कारण रुपया कुल मिलाकर दबाव में रहा।

स्पाइसजेट अहमदाबाद से शारजांह के लिए शुरू करेगी उड़ान

नई दिल्ली। किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट अगले महीने गुजरात के अहमदाबाद से शारजांह के लिए उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नयी उड़ान छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध रहेगी। इस नॉन स्टॉप सेवा की शुरुआत 05 फरवरी से होगी। इसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस नयी उड़ान से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और भारत के बीच हवाई संपर्क बढ़ेगा। दुबई के बाद यूएई में यह उसका दूसरा गंतव्य होगा। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा कि यूएई की सांस्कृतिक राजधानी और एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र के रूप में शारजांह एयरलाइंस के नेटवर्क से जुड़ने वाला एक महत्वपूर्ण शहर है। शारजांह संयुक्त अरब अमीरात का तीसरा सबसे बड़ा और अकेला ऐसा अमीरात है जिसकी सीमा शेष सभी छह अमीरात के साथ मिलती है।

आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन दिसंबर में 3.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात और बिजली क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन से देश के आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 3.7 प्रतिशत बढ़ गया। यह अगस्त 2025 के बाद प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में चार महीने में सबसे तेज बढ़ोतरी है। इससे पहले, नवंबर 2025 में प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 2.1 प्रतिशत और दिसंबर 2024 में 5.1 प्रतिशत बढ़ा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ उद्योगों में से तीन के उत्पादन में गत दिसंबर में गिरावट दर्ज की गयी जबकि अन्य पांच उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि हुई है। इस्पात उद्योग का उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली का 5.3 प्रतिशत बढ़ा है। सीमेंट का उत्पादन 13.5 प्रतिशत और उर्वरकों का 4.1 प्रतिशत बढ़ा है। कोयले के उत्पादन में 3.6 फीसदी की वृद्धि देखी गयी।कोर उद्योगों के उत्पादन में 28 प्रतिशत से अधिक का भारांश रखने वाले रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। कच्चे तेल का उत्पादन 5.6 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 4.4 प्रतिशत घट गया। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 2.6 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इसमें 4.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी थी।

कोच्चि में 23 जनवरी को होगी आईडब्ल्यूडीसी 3.0 बैठक, पूर्वोत्तर में 5000 करोड़ निवेश से जलमार्ग विकास को मिलेगी गति

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जलमार्गों के विकास को नई दिशा देने के लिए अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की तीसरी बैठक 23 जनवरी को कोच्चि, केरल में होगी। इस बैठक में अब तक की उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी और आने वाले समय की योजना तय की जाएगी। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता मंत्री सर्बानंद सोनोवाल करेंगे। इस बैठक में उनके साथ राज्य मंत्री शंतनु ठाकुर और कई राज्यों के मंत्री भी शामिल होंगे। इस दौरान नई पहल शुरू की जाएगी और केंद्र तथा राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते किए जाएंगे। बैठक में शहरी जल परिवहन को मजबूत बनाने, माल ढुलाई को आसान करने, पर्यावरण अनुकूल जहाजों को बढ़ावा देने, नदी पर्यटन को आगे बढ़ाने और डिजिटल तरीकों को अपनाने पर चर्चा

की जाएगी। साथ ही नियमों की समीक्षा और राज्यों की चिंताओं पर भी विचार किया जाएगा। सरकार ने 2025 से 2030 के बीच उत्तर पूर्व में जलमार्ग विकास के लिए 5000 करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। 1152 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पहले से चल रहे हैं। कोच्चि बैठक में डिब्रूगढ़ में उत्कृष्टता केंद्र, पांडु में जहाज मरम्मत सुविधा और हरित जहाजों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही बोगीबील नदी बंदरगाह तक पहुंच मार्ग और उजान बाजार घाट पर पर्यटक जेट्टी की घोषणा भी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि देश में जलमार्गों का बड़ा नेटवर्क है, जहां हर साल 145 मिलियन टन से ज्यादा माल ढोया जाता है। यह तरीका रेल और सड़क से सस्ता और पर्यावरण के लिए बेहतर है। अभी 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से 32 पर माल और यात्री परिवहन हो रहा है। पिछले 10 सालों में जलमार्गों पर माल ढुलाई 18 मिलियन टन से बढ़कर 145.84 मिलियन टन हो गई है। यात्री संख्या भी 7.64 करोड़ तक पहुंच गई है। 'जलवाहक' और 'जल समृद्धि' जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र को और तेज गति दी है। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने राष्ट्रीय जलमार्ग 2 ने उत्तर पूर्व में परिवहन का नया मॉडल पेश किया है। यहां पांडु, जोगीघोपा, धुबरी और बोगीबील जैसे टर्मिनल काम कर रहे हैं। असम का 98 प्रतिशत माल इसी मार्ग से जाता है।

डाक विभाग ने निर्यातकों के लिए शुरू की कर वापसी सुविधा, एमएसएमई और कारीगरों को मिलेगी शुल्क रियायत

एजेंसी

नई दिल्ली। छोटे कारोबारियों, एमएसएमई, कारीगरों और स्टार्टअप को अब डाकघर से माल विदेश भेजने पर भी सरकार की ओर से ड्यूटी ड्रॉबैक, कर वापसी और अन्य रियायतों का फायदा मिलेगा। इससे उनकी लागत घटेगी, पैसा जल्दी वापस मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। डाक विभाग ने 15 जनवरी से यह सुविधा लागू कर दी। संचार मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से छोटे निर्यातक, कारीगर और स्टार्टअप को खास फायदा होगा, क्योंकि वे कम कीमत वाले माल को विदेश भेजने के लिए डाक नेटवर्क पर निर्भर रहते हैं। पहले से ही आईजीएसटी की वापसी की सुविधा है, अब इन नए लाभों से लागत घटेगी और कारोबारियों को पैसा जल्दी मिलेगा।

देशभर में 1,013 'डाकघर निर्यात केंद्र' काम कर रहे हैं। यहां से सामान की बुकिंग, डिजिटल कागजी काम और सीमा शुल्क की प्रक्रिया एक ही जगह पूरी हो जाती है। इससे दूर-दराज के इलाकों के लोग भी आसानी से अपना माल विदेश भेज सकते हैं। डाक विभाग ने सिस्टम में जरूरी बदलाव किए हैं और साफ नियम बनाए हैं ताकि निर्यातक और अधिकारी आसानी से काम कर सकें। यह कदम सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सीमा-पार ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है। भारत डाक विभाग एक ही जगह से पूरी सुविधा देता है। सामान उठाने से लेकर कागजी काम, ऑनलाइन भुगतान, सीमा शुल्क निकासी और ट्रैकिंग तक। 'अंतरराष्ट्रीय ट्रैक्ड पैकेट सेवा' जैसी सुविधाएं 135 देशों में उपलब्ध हैं, जो छोटे कारोबारियों के लिए सस्ती और भरोसेमंद हैं।

बीएसएनएल को राजस्व लक्ष्य और सेवा गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां विज्ञान भवन में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की तिमाही-3 समीक्षा और रणनीति बैठक दर्शन और सेवा गुणवत्ता मानकों की विस्तृत समीक्षा की । केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार बैठक में सिंधिया मोबाइल ग्राहक आधार बढ़ाने, औसत राजस्व प्रति उपभोक्ता (एआरपीयू) सुधारने और राजस्व लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ सर्किलों ने मोबाइल ग्राहक आधार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि अन्य सर्किलों को सुधार की आवश्यकता है। तिमाही-दर-तिमाही एआरपीयू में सुधार हुआ है, लेकिन जिन सर्किलों में एआरपीयू स्थिर है, उन्हें इसे बढ़ाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसके लिए बेहतर सेवा, ग्राहक बनाए रखने की रणनीति और मूल्यवर्धित सेवाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सिंधिया ने सभी मुख्य महाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे ग्राहक आधार बढ़ाने और सेवा गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देकर राजस्व लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने कहा कि अंतिम तिमाही में सर्किल स्तर पर केंद्रित क्रियान्वयन, जवाबदेही और प्रदर्शन की करीबी निगरानी जरूरी है, ताकि निर्धारित राजस्व लक्ष्य पूरे किए जा सकें।

बैठक में मोबाइल नेटवर्क उपलब्धता और मरम्मत में लगने वाले औसत समय (एमटीटीआर) जैसे प्रमुख सेवा गुणवत्ता मानकों की समीक्षा की गई। केरल, तमिलनाडु, यूपी पूर्व, कर्नाटक, पंजाब, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कोलकाता, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को मोबाइल बीटीएस एमटीटीआर में उल्लेखनीय सुधार करने वाले सर्किलों के रूप में पहचाना गया। सभी सर्किलों को नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ाने, डाउनटाइम कम करने और समय पर खराबी दूर करने के निर्देश दिए गए। एंटरप्राइज बिजनेस खंड में सिंधिया ने कर्नाटक, ओडिशा, गुजरात, हरियाणा और यूपी (पश्चिम) सर्किलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। चौथी तिमाही के राजस्व लक्ष्य हासिल करने के लिए सर्किलवार योजनाएं और रणनीतियां भी बताई गईं। बैठक में संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, दूरसंचार सचिव अमित अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव गुलजार नटराजन, बीएसएनएल के सीएमडी ए रॉबर्ट जे रवि, निदेशक मंडल और देशभर के मुख्य महाप्रबंधक मौजूद रहे।

एवरस्टोन समूह ने मप्र में विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण में निवेश की दिखाई रूचि

एजेंसी

दावोस। स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन विभिन्न उद्योगपतियों से चर्चाओं का दौर जारी है। इस दौरान एवरस्टोन समूह ने मध्य प्रदेश में निवेश की रूचि दिखाई। स्टेट लाउंज में मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने एवरस्टोन समूह के प्रेसिडेंट और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा के साथ बैठक कर राज्य में निवेश एवं औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) इकोसिस्टम में मध्?य प्रदेश की सशक्त उपस्थिति को रेखांकित किया। इंदौर, उज्जैन और भोपाल के आसपास विकसित हो रहे ईवी और ऑटोमोबाइल क्लस्टर्स के साथ वस्त्र एवं परिधान उद्योग में राज्य की स्थापित क्षमताओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत आधार की जानकारी साझा की गई। चर्चा के दौरान नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, मनीष सिंह ▫ और प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने उद्योगपतियों के साथ सोलर पैनल, बैटरी, इंगट्स और वेफर्स सहित उपकरण और कंपोनेंट विनिर्माण में उपलब्ध निवेश अवसरों पर भी विचार किया गया। राज्य शासन ने निवेशकों के अनुकूल भूमि अधिग्रहण ढांचे की जानकारी देते हुए भोपाल और होशंगाबाद के समीप क्षेत्रों को विनिर्माण आधारित निवेश के लिए उपयुक्त बताया और राज्य में बढ़ती आंतरिक मांग को भी रेखांकित किया। प्रेसिडेंट एवरस्टोन समूह जयंत सिन्हा ने समूह के पोर्टफोलियो और निवेश प्राथमिकताओं से अवगत कराते हुए स्केलेबल प्लेटफॉर्म, दीर्घकालिक इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में रुचि साझा की। बैठक में दोनों पक्षों ने खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा एवं संबंधित क्षेत्रों में संभावित सहयोग और निवेश के लिए आगे भी विस्तृत चर्चा जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। यह संवाद मध्य प्रदेश की विनिर्माण आधारित विकास रणनीति और सतत आर्थिक प्रगति की दिशा में वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मध्य प्रदेश की मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन निवेश पर क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के साथ हुई अहम चर्चा

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में मध्य प्रदेश स्टेट लाउंज में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के साथ निवेश संबंधी चर्चा की। मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने क्रेसेंट एंटरप्राइजेज डिप्टी सीईओ एवं हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट्स तुषार सिंहवी के साथ बैठक कर राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, इनलैंड कंटेनर डिपो, वेयरहाउसिंग तथा एकीकृत सप्लाई चेन अवसंरचना में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान क्रेसेंट एंटरप्राइजेज ने भारत में अपने विस्तार की मजबूत मंशा व्यक्त करते हुए लॉजिस्टिक्स आधारित निवेश के लिए मध्य प्रदेश को एक रणनीतिक गंतव्य के रूप में परखने में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर मंत्री शुक्ला ने राज्य की समर्पित लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात नीति की जानकारी साझा की, जिसके अंतर्गत पूंजी निवेश सहायता, अवसंरचना सुविधा, स्टांप शुल्क प्रतिपूर्ति, भूमि आवंटन में सहयोग और हरित लॉजिस्टिक्स के लिए विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश, देश के केंद्र में स्थित होने से यहां प्राप्त भौगोलिक लाभ, राज्य के हवाई अड्डों के माध्यम से लागत प्रभावी कार्गो हैंडलिंग और खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स (एपीआई सहित), वस्त्र एवं परिधान और नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद हैं। साथ ही भूमि की पर्याप्त उपलब्धता, विश्वसनीय विद्युत एवं जल आपूर्ति तथा स्थिर श्रम वातावरण मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन परियोजनाओं के लिए उच्च दक्षता वाला निवेश गंतव्य बनाता है। दोनों पक्षों ने विशिष्ट परियोजना अवसरों की पहचान करने तथा लॉजिस्टिक्स और संबद्ध अवसंरचना क्षेत्रों में संभावित निवेश पर आगे भी संवाद जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

658 करोड़ के फर्जी आईटीसी घोटाले में कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत ईडी का कई राज्यों में छापा

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 658 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले के सिलसिले में कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत कई राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी उन व्यक्तियों और कंपनियों के ठिकानों पर की गई है, जिनके इस बड़े कर घोटाले से जुड़े होने का संदेह है। इस पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व ईडी की ईटानगर यूनिट कर रही है, जो संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय में कार्रवाई कर रही है।

जांच एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कई फर्मों पर बिना किसी वास्तविक माल या सेवा की आपूर्ति के फर्जी चालानों के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट बनाने और उसका लाभ उठाने का आरोप है। ऐसे फर्जी दावे न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि इनके तार अक्सर मनी लॉन्ड्रिंग और शेल कंपनियों के

नेटवर्क से भी जुड़े होते हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह मामला अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा है। इस एफआईआर में राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

शिकायत के अनुसार, एम/एस सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नामक एक कथित गैर-मौजूद कंपनी के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया। जांच में सामने आया है कि 658.55 करोड़ के फर्जी चालानों के आधार पर 99.31 करोड़ का इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल किया गया। इस घोटाले में अलग-अलग राज्यों में फैली 58 शेल कंपनियों की भूमिका बताई जा रही है। ईडी अब फर्जी आईटीसी की परत-दर-परत जांच कर रही है और इस प्रक्रिया में कथित रूप से किए गए धनशोधन के पैसों का पता लगाने में जुटी है। एजेंसी सूत्रों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। इस बीच, ईडी ने पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित करोड़ों के कोयला तस्करी मामले में भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। एजेंसी ने इस मामले में सात और कोयला व्यापारियों को पूछताछ के लिए तलब किया। इसके साथ ही इस प्रकरण में अब तक कुल 15 कोयला व्यापारियों को समन जारी किया जा चुका है। गौरतलब है कि, यह मामला तब और सुर्खियों में आया था, जब 8 जनवरी को ईडी ने एक साथ इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के कार्यालय और उसके निदेशक व सह-संस्थापक प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था, जो इसी कोयला तस्करी मामले से जुड़ा हुआ है।

गूगल करेगा मध्य प्रदेश में आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर में निवेश

एजेंसी

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दौरान गूगल के एशिया पैसिफिक क्षेत्र के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता के साथ मध्य प्रदेश के अधिकारियों ने बैठक कर राज्य में आईटी, आईटीईएस सेक्टर और मौजूदा प्रस्तावित डेटा सेंटर परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। गुप्ता ने मध्य प्रदेश में आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर में निवेश की रूचि दिखाई। स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में हुई बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला सहित अधिकारी उपस्थित रहे। गूगल की ओर से राज्य में जेमिनी एआई के माध्यम से कृषि एवं शिक्षा क्षेत्रों में नवाचार और डिजिटल समाधान लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार साझा किए गए। बैठक में राज्य शासन द्वारा आईटी एवं डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए पर्याप्त एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हरित ऊर्जा आधारित नीति तैयार करने की योजना से

अवगत कराया गया। साथ ही, गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने की मध्य प्रदेश की क्षमता, अनुकूल नीतिगत ढांचा और सहयोगी दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया गया। गूगल के एशिया पैसिफिक क्षेत्र के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता ने आईटी अवसंरचना, डिजिटल नवाचार और कौशल विकास के माध्यम से मध्य प्रदेश को एक उभरते तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में सहयोग दिए जाने पर सहमति व्यक्त की। श्रीलंकाई उद्योग समूह जॉन कील्स के साथ निवेश अवसरों पर हुई चर्चावर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान श्रीलंकाई उद्योग समूह से भी मध्?य प्रदेश के अधिकारियों ने निवेश को लेकर चर्चा की। इस दौरान मप्र के प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार मनीष सिंह ने श्रीलंका के प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी के चेयरमैन कृष्णन बालेंद्र के साथ मीटिंग की। उन्होंने राज्य में निवेश एवं सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी), खाद्य प्रसंस्करण एवं पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मध्य प्रदेश में उपलब्ध अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। राज्य सरकार द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए लागू नीतियों एवं उपलब्ध प्रोत्साहनों की जानकारी भी प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा की गई। जॉन कील्स समूह ने भारतीय कंपनियों के साथ अपने मौजूदा व्यावसायिक जुड़ाव तथा भारत में विभिन्न टाई-अप्स के माध्यम से अपने व्यापार की जानकारी दी। प्रमुख सचिव सिंह ने राज्य की अनुकूल निवेश नीति, मजबूत अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण को रेखांकित करते हुए जॉन कील्स समूह को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

भारत का पुनर्बीमा कारोबार क्षेत्र एक नये परिवर्तन के मुहाने पर : वित्तीय सेवा सचिव

एजेंसी

मुंबई। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सोमवार को कहा कि सरकार और बीमा विनियामक ने विकास और बीमा की सुलभता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे और संरचनात्मक सुधारों को सक्षम बनाया है और देश में पुनर्बीमा कारोबार का क्षेत्र एक नये परिवर्तन के मुहाने पर है। उन्होंने भारतीय बीमाकर्ताओं और पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के माध्यम से वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने और '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को प्राप्त करने के हेतु सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया ग। श्री नागराजू यहां आयोजित अंतराष्ट्रीय वित्त केंद्र (आईएफएस)- इरडाई-गिफ्टसिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत पुनर्बीमा क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास के मुहाने पर खड़ा है। भारत में कुल पुनर्बीमा बाजार का कारोबार 2024-25 में 1.12 लाख करोड़ रुपये रहा। उन्होंने सम्मेलन के विषय 'आज के भारत को जोड़ना, कल के भारत का बीमा करना - भारत विकास रोडमैप' को पूरी तरह से '2047 तक सभी के लिए बीमा' की सरकार की सोच के अनुरूप बताया। व्यक्तियों और इकाइयों को बीमा संरक्षण देने के साथ साथ अर्थव्यवस्था में बीमा क्षेत्र के बड़े योगदान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में इस क्षेत्र ने 41.84 करोड़ पॉलिसियां जारी कीं, 11.93 लाख करोड़ रुपये का प्रीमियम एकत्र किया, 8.36 लाख करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया और 31 मार्च 2025 तक इस क्षेत्र के अंतर्गत प्रबंधनाधीन परिसम्पत्तियां 74.44 लाख करोड़ रुपये की थीं। वित्तीय सेवा सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा विनियामक इरडाई ने विकास और बीमा की सुलभता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत ढांचे और संरचनात्मक सुधारों को सक्षम बनाया है। इस संदर्भ में उन्होंने बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत किये जाने , पिछले वर्ष एक नयी पुनर्बीमाकर्ता कंपनी के पंजीकरण और सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत पॉलिसीधारक शिक्षा एवं संरक्षण कोष के गठन के प्रावधान तथा डेटा संरक्षण को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप बनाये जाने का उल्लेख किया।

वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को पीएसबी के सीईओ के साथ समीक्षा बैठक करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय 30 जनवरी को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के चेयरपर्सन के साथ एक बैठक करेगा। इसमें आरआरबी के विलय के बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू करेंगे। समीक्षा बैठक में नाबार्ड के चेयरमैन, सिडबी के सीएमडी और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के संबंधित कार्यकारी निदेशक शामिल हो सकते हैं।प्राप् त जानकारी के मुताबिक एक मई से प्रभावी आरआरबी के एकीकरण के चौथे दौर के बाद ये पहली उच्च स्तरीय बैठक होने जा रही है। इस एकीकरण से आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। इस समीक्षा बैठक में विलय के बाद आरआरबी के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। इसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने की प्रगति और आरआरबी द्वारा शुरू की गई विभिन्न वित्तीय योजनाओं की समीक्षा होगी। बेहतर परिचालन दक्षता और लागत को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक मई को 11 राज्यों के 15 आरआरबी के एकीकरण के बाद राज्य के स्वामित्व वाला एक आरआरबी अस्तित्व में आया है। पहले चरण वित्त वर्ष 2005-06 से 2009-10 में आरआरबी की संख्या 196 से घटाकर 82 कर दी गई थी।

टाटा मोटर्स ने 7 से 55 टन क्षमता वाले अगली पीढ़ी के ट्रक किए लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारत में 7 टन से 55 टन क्षमता वाले 17 नए अलगी पीढ़ी के ट्रकों को लॉन्च किया है। इन ट्रकों को टाटा मोटर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक गिरीश वॉग और उपाध्यक्ष एवं ट्रक कारोबार के प्रमुख राजेश कौल ने यहां के भारत मंडपम में पेश किया। इसमें डीजल और इलेक्ट्रिक दोनों तरह के ट्रक शामिल हैं, जो प्राइमा, सिग्ना, अल्ट्रा और नई अजुरा प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं। कंपनी ने 'टाटा ट्रक्स डॉट ईवी' ब्रांड के तहत देश की अब तक की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक ट्रक रेंज पेश की है, जिसमें अल्ट्रा ईवी सीरीज, प्राइमा ई.55एस इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर और प्राइमा ई.28के इलेक्ट्रिक टिपर शामिल हैं। ये ट्रक शहरी माल ढुलाई, ई-कॉमर्स, निर्माण, पोर्ट संचालन और खनन जैसे क्षेत्रों के लिए तैयार किए गए हैं। टाटा मोटर्स द्वारा प्रस्तुत किए गए ये नए ट्रक रसद, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, निर्माण, खनन, कृषि, बंदरगाह संचालन और क्षेत्रीय माल परिवहन जैसे क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। कंपनी का दावा है कि हल्के, मध्यम और भारी तीनों श्रेणियों में ये ट्रक बेहतर भार क्षमता, कम ईंधन खर्च और अधिक लाभ देने में सहायक होंगे। मध्यम और हल्के वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में कंपनी ने पहली बार नई अजुरा श्रृंखला प्रस्तुत की है। यह श्रृंखला 7 टन से 19 टन तक की क्षमता में उपलब्ध होगी। इनमें नया 3.6-लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जिसे बेहतर प्रदर्शन और ईंधन दक्षता के लिए विकसित किया गया है। अजुरा ट्रकों में वॉक-थ्रू केबिन, डी प्लस 2 बैठने की क्षमता, रिक्लाइनिंग सीट, अधिक भंडारण

स्थान और चालक की सुविधा के लिए बेहतर आरामदायक रूपांकन दिया गया है। इन ट्रकों को मध्यम दूरी, अंतर-नगरीय और क्षेत्रीय परिवहन के लिए उपयुक्त बताया गया है। सुरक्षा के मानकों पर टाटा मोटर्स ने अपने पूरे डीजल ट्रक पोर्टफोलियो को यूरोपीय ईसीई आर29 03 टक्कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप किया है। इसमें सामने, किनारे और पलटाव सुरक्षा शामिल की गई है। साथ ही कुछ मॉडलों में लेन छोड़ने की चेतावनी, टक्कर से बचाव और अन्य उन्नत चालक सहायता प्रणाली जैसे आधुनिक विशेषताएं भी दी गई हैं, जिससे सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। कंपनी के अनुसार नए तकनीकी सुधारों के चलते कुछ ट्रकों में भार क्षमता को 1.8 टन तक बढ़ाया गया है। वहीं, 6.7-लीटर डीजल इंजन में सुधार कर ईंधन दक्षता में लगभग 7 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इससे परिवहन कारोबारियों की परिचालन लागत घटेगी और लाभ बढ़ेगा।

ई-ट्रकों के साथ टाटा मोटर्स ऊर्जा भरने की सुविधा, वित्तपोषण, रखरखाव और संयोजित डिजिटल सेवाओं का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र भी उपलब्ध कराएगी। इसके अंतर्गत 'संपूर्ण सेवा 2.0' कार्यक्रम से 24 घंटे सड़क किनारे सहायता, बेड़ा सहयोग, पुर्जों की उपलब्धता और डिजिटल निगरानी की सुविधा दी जाएगी। टाटा मोटर्स ने फिलहाल इन नए ट्रकों की कीमतों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कंपनी का दावा है कि यह नई श्रृंखला देश में ट्रकिंग क्षेत्र को अधिक सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

लिज़ेल ली पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला, मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की खिलाड़ी लिज़ेल ली पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते कार्रवाई की गई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लिज़ेल ली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। यह घटना दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 11वें ओवर में हुई, जब लिज़ेल ली को अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप आउट दिया गया। गेंद लेग साइड पर थी और फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में ली का संतुलन बिगड़ गया। विकेटकीपर राहिला फिरदौस ने तेजी से स्टंपिंग की। इसके बाद मैदानी अंपायरों ने थर्ड अंपायर की मदद ली और स्टंप कैमरे समेत विभिन्न एंगल से जांच की गई। रीप्ले देखने के बाद थर्ड अंपायर ने फैसला सुनाया कि जब बेल्स गिरीं, उस समय लिज़ेल ली का बल्ला हवा में था, जिसके चलते उन्हें आउट करार दिया गया। उस समय ली 28 गेंदों पर 46 रन बनाकर शानदार बल्लेबाजी कर रही थीं। आउट दिए जाने के बाद लिज़ेल ली फैसले से काफी नाराज़ नजर आईं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने असंतोष जाहिर किया और निर्णय के बाद भी अपनी नाराज़गी व्यक्त करती रहीं। लीग की मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, लिज़ेल ली ने आचार संहिता के तहत लेवल-1 अपराध को स्वीकार कर लिया है, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के दुरुपयोग से जुड़ा है।

डब्ल्यूपीएल 2026: जेमिमा रोड्रिग्स की फिफ्टी से दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार वापसी करते हुए मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हरा दिया और अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। वडोदरा में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 154 रन बनाए थे, जिसे दिल्ली ने 6 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शेफाली वर्मा और लिज़ेल ली ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 63 रनों की ओपनिंग साझेदारी हुई। शेफाली 29 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि 11वें ओवर में लिज़ेल ली का रन आउट मैच का सबसे बड़ा विवाद बन गया। रन आउट की अपील पर थर्ड अंपायर ने टीवी रीप्ले देखा, जिसमें एक एंगल पर ली का बल्ला ज़मीन पर टिका दिखा, जबकि दूसरे एंगल में बल्ला हवा में था। थर्ड अंपायर ने दूसरे एंगल को आधार बनाते हुए लिज़ेल ली को आउट करार दिया, जिस पर काफी चर्चा हुई। इसके बाद दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने पारी संभाली और दबाव के बीच संयमित बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने सूझबूझ भरे शॉट्स और तेज़ रनिंग के दम पर टीम को जीत दिलाई। दिल्ली ने 19 ओवर में 155 रन बनाकर मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया।

टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स ने हाफवे मार्क पर पंजाब रॉयल्स पर 3-2 की बढ़त बनाई

नोएडा। प्रो रेसलिंग लीग 2026 में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में हाफवे मार्क तक पंजाब रॉयल्स के खिलाफ 3-2 की करीबी बढ़त हासिल कर ली है। सीजन की पहली जीत की तलाश में उतरी मुंबई की टीम ने शुरुआती पांच बाउट्स में आक्रामक और संतुलित प्रदर्शन किया, जबकि पंजाब रॉयल्स ने भी अहम मुकाबले जीतकर टाई को रोमांचक बनाए रखा। मुकाबले की शुरुआत 86 किग्रा पुरुष वर्ग में मुकुल दहिया ने दमदार अंदाज़ में की। उन्होंने जॉर्जिया के तारिएल गफ्रिंडाशविली पर शुरू से दबदबा बनाते हुए टेकडाउन, टर्न्स और हाई-वैल्यू थ्रो के दम पर टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से जीत दर्ज की। इसके बाद 62 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की कॉमनवेल्थ सिल्वर मेडलिस्ट एना गोडिनेज़ ने सारिका मलिक को फॉल से हराकर स्कोर बराबर किया। 65 किग्रा पुरुष वर्ग में रोहित राहल ने शानदार वापसी करते हुए पेरिस ओलंपिक पदक विजेता इस्लाम गुसेइनॉव को फॉल से हराकर मुंबई को फिर बढ़त दिलाई। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में कप्तान और पेरिस ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सहरावत ने चिराग छिकारा को 17-7 से मात देकर बढ़त मजबूत की। हालांकि 76 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की प्रिया मलिक ने 10-0 की एकतरफा जीत दर्ज कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा।

ऑपरेटिंग विभाग की टीम बनी डीआरएम कप 2026 चैम्पियन

वडोदरा। वडोदरा मंडल की ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने डीआरएम कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट जीत लिया है। प्रतापनगर में माधव राव सिंधिया स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्युत विभाग की टीम को 7 विकेट से हराकर डीआरएम कप पर कब्ज़ा किया। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 08 जनवरी से 20 जनवरी तक आयोजित इस टूर्नामेंट में वडोदरा मंडल के विभिन्न विभागों की कुल 16 टीमों ने खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच विद्युत(ट्रैक्शन)विभाग एवं ऑपरेटिंग विभाग की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें ऑपरेटिंग विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और 'डीआरएम ट्रॉफी-2026' की चैम्पियन बनी।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका टीम घोषित, चरिथ असलांका होंगे कप्तान

एजेंसी

कोलंबो। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज के लिए श्रीलंका ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टी20 विश्व कप 2026 से पहले इस फॉर्मेट की कप्तानी से हटाए गए चरिथ असलांका को वनडे टीम की कप्तान सौंपी गई है। लंबे समय से वनडे टीम से बाहर चल रहे धनंजय डी सिल्वा और दुष्मंथा चमीरा को भी टीम में जगह दी गई है। पाकिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज का हिस्सा रहे 14 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बरकरार रखी है। बतौर बल्लेबाज टीम में पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, सदीरा समरविक्रमा, और कामिंडू मेंडिस को जगह दी गई है। जेनिथ लियानागे भी मध्यक्रम को मजबूत करेंगे। बल्लेबाजी के साथ-साथ टीम में गेंदबाजी विभाग में भी स्पिन और

तेज गेंदबाजी का सही संतुलन बनाने पर जोर दिया गया है। बतौर तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन और ईशान मलिंगा को जगह दी गई है, जबकि वानिंदू हसरंगा, महेश तिक्षाणा, जेफरी वेंडरसे और डुनिथ वेल्लालेज स्पिन गेंदबाजी को मजबूत करेंगे। तीन वनडे मैचों की सीरीज 22, 24 और 27 जनवरी को खेली जानी है। सभी मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे। वनडे सीरीज के बाद श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज भी खेली जानी है। टी20 सीरीज के मैच 30 जनवरी, 1 फरवरी और 3 फरवरी को खेले जाएंगे। तीनों मैच पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच पूर्व के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो दोनों देशों के बीच 79 वनडे खेले गए हैं और दोनों टीमों का पलड़ा लगभग बराबर रहा है। श्रीलंका ने 37 मैच जीते हैं, जबकि इंग्लैंड ने 38 मैचों में जीत हासिल की है। 3 मैचों का परिणाम नहीं आया है, जबकि एक मैच टाई रहा है। श्रीलंका का प्रदर्शन हाल के दिनों में बेशक निराशाजनक रहा है, लेकिन अपने घर में उसे कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इंग्लैंड और श्रीलंका वनडे सीरीज रोमांचक हो सकती है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका की टीमः-

चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, पवन रथनायके, धनंजय डी सिल्वा, जेनिथ लियानागे, कामिंडू मेंडिस, डुनिथ वेल्लालेज, वानिंदू हसरंगा, जेफरी वेंडरसे, महेश थीक्षाना, मिलन रथनायके, असिथा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन, ईशान मलिंगा

पत्नी की एचआईएल खिताबी जीत से मिली प्रेरणा: मंदीप सिंह

एजेंसी

भुवनेश्वर। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का खिताब एसजी पाइपर्स के साथ जीतने वाली उदिता की सफलता ने सिर्फ उनकी टीम को ही नहीं, बल्कि उनके पति और रांची रॉयल्स के फॉरवर्ड मंदीप सिंह को भी खास तौर पर प्रेरित किया है। पुरुष हीरो एचआईएल में खेल रहे मंदीप ने कहा कि पत्नी की इस उपलब्धि ने उनके भीतर भी ट्रॉफी जीतने की भूख को और तेज कर दिया है। मंदीप ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'मैंने फाइनल से पहले ही उससे कह दिया था कि उसकी टीम जीतेगी, लेकिन जब मैंने उसे ट्रॉफी उठाते देखा, तो वह पल बेहद खास था। मुझे उस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। हम दोनों इस खेल के लिए जीते हैं और एक ही लीग में खेलते हैं, इसलिए उसकी जीत मेरे लिए बहुत भावुक और प्रेरणादायक रही।' उदिता की जीत को लेकर मंदीप ने साफ किया कि इससे उन पर किसी तरह का नकारात्मक दबाव नहीं है, बल्कि यह एक सकारात्मक प्रेरणा है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'हम मजाक में कहते हैं कि उसने मुझ पर दबाव डाल दिया है, लेकिन यह अच्छा दबाव है। यह मुझे और बेहतर खेलने के लिए प्रेरित करता है। अभी मेरे पास भी मौका है और मैं उसका पूरा फायदा उठाना चाहता हूं। हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और लगातार मैच जीत रही है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या पत्नी की सफलता ने उनके भीतर खिताब जीतने की भूख बढ़ा दी है, तो मंदीप ने बिना किसी झिझक के कहा, 'बिल्कुल। मैं भी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।' पिछले साल शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े ने लीग शुरू होने से पहले ही तय कर लिया था।

इंडोनेशिया मास्टर्स : पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने पहले राउंड में जीत दर्ज की

एजेंसी

जकार्ता। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 के पहले राउंड में जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने जापान की मनामी सुइजू को सीधे गेम में 22-20, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में सिंधु की शुरुआत निराशाजनक रही थी और मिड-गेम ब्रेक तक वह 2-11 से पीछे थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह पॉइंट बनाकर गेम 22-20 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और अंततः 21-18 से जीत दर्ज की। दूसरे राउंड में सिंधु का मुकाबला डेनमार्क की लाइन केयर्सफेल्ड या चीन की हान कियान शी के साथ होगा। वहीं, किदांबी श्रीकांत ने पहले राउंड में जापान के कोकी वतनबे को 21-15, 21-23, 24-22 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पहले गेम में श्रीकांत ने आक्रामक शॉट्स के दम पर आसानी से जीत हासिल की। दूसरे गेम में श्रीकांत से कुछ गलतियां हुईं और वतनबे ने इसे 23-21 से जीत लिया।

तीसरे और निर्णायक गेम में 7-4 की बढ़त के बावजूद श्रीकांत को कई बार अपनी पकड़ बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आखिरी मौके पर उनके आक्रामक स्ट्रोक ने जीत दिलाई। दूसरे राउंड में श्रीकांत का सामना चौथी सीड चो टिएन चेन से होगा। इसी टूर्नामेंट में भारतीय शटलर अनमोल खरब और आकर्षि कश्यप ने क्वालिफाइंग राउंड में जीत हासिल कर महिला एकल मेन ड्रॉ में जगह बनाई। हालांकि, मेन ड्रॉ ओपनर में आकर्षि तीन गेम हारकर बाहर हो गईं और किरण जॉर्ज भी सीधे गेम में हार गए। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो और रोहन कपूर/रुथविका शिवानी गड्डे की टीमें पहले राउंड में फ्रेंच जोड़ियों से हार गईं। पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत को अपना दूसरा मैच जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। भारत के दोनों शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को अगले दौर से आगे बढ़ने के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः एरिना सबालेंका ने चीनी खिलाड़ी को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई

एजेंसी

मेलबर्न। विश्व नंबर 1 एरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के तीसरे दौर में जगह बना ली है। चीनी क्वालिफायर बाई झूओक्सुआन को केवल 32 मिनट में 6-3, 6-1 से हराकर सबालेंका ने तीसरे राउंड में जगह बनाई। मैच की शुरुआत में बाई ने पेस बनाने में कठिनाई महसूस की और 15 मिनट में 0-5 से पीछे हो गईं। हालांकि, उन्होंने दो एस के जरिए अपनी स्थिति सुधारने की कोशिश की और शुरुआती सेट में सबालेंका की पकड़ थोड़ी कमजोर हुई। बाई ने तीसरे गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन विश्व नंबर 1 ने अपनी मजबूती बनाए रखी और सेट जीत लिया। दूसरे राउंड में सबालेंका ने 4-0 से बढ़त बनाई और अंततः 74 मिनट में मैच जीतकर तीसरे राउंड में जगह पक्की की। अब उनका मुकाबला 28वीं सीड एम्मा राडुकानू या अनास्तासिया पोटापोवा से होगा। सबालेंका ने अपनी 25वीं एकल मैच जीत दर्ज की और 2000 के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली

छठी महिला खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले सेरेना विलियम्स, लिंडसे डेवनपोर्ट, जस्टिन हेनिन, ऐश बार्टी और इगा स्वियाटेक इस मुकाम तक पहुंच चुकी हैं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन सबालेंका ने लगातार सातवीं जीत दर्ज की और 2026 का सीजन आसानी से शुरू किया। वह लगातार छठे साल तीसरे राउंड तक पहुंच रही हैं। इसके अलावा, उनके दूसरे राउंड के मैचों में भी उनका रिकॉर्ड 7-0 है।

इसी बीच, एलिना स्वितोलिना ने भी 2026 सीजन में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा और लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अब उनका सामना डायना श्नैडर से होगा। श्नैडर ने ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड टैलिया गिब्सन के खिलाफ 3-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की, जिसमें उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाए थे। सबालेंका और स्वितोलिना की जीत ने महिलाओं के सिंगल्स ड्रॉ में मुकाबले और रोमांचक बना दिए हैं। तीसरे राउंड में उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि कौन ग्रैंड स्लैम के आगे के राउंड में अपना दबदबा दिखा पाएगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः मेदवेदेव ने क्वेंटिन हेलिस को और रुबलेव ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई

एजेंसी

मेलबर्न। रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। जॉन केन एरिना में खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में मेदवेदेव ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को 6-7(9), 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। शुरुआती सेट गंवाने के बाद मेदवेदेव ने शानदार वापसी की और अगले तीन सेट जीतकर मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ वर्ल्ड नंबर 11 मेदवेदेव ने 2026 सीजन में अपना अपराजित क्रम सात मैचों तक बढ़ा दिया है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ सीजन शुरुआत की बराबरी है। इससे पहले उन्होंने 2021 में भी ऐसा ही प्रदर्शन किया था, जो उनके करियर का सबसे सफल साल माना जाता है। ग्रैंड स्लैम के मुकाबलों की शुरुआत मेदवेदेव के लिए हमेशा से संघर्षपूर्ण रही है। क्वेंटिन हेलिस के खिलाफ भी मैच के पहले सेट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उसके बाद दमदार वापसी करते हुए टाईब्रेक में गंवाने के बाद मेदवेदेव ने अपने अनुभव और धैर्य का इस्तेमाल करते हुए मैच पर नियंत्रण बना लिया।

उन्होंने न सिर्फ मैच अपने नाम किया, बल्कि ग्रैंड स्लैम के शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। हेलिस के खिलाफ पहला सेट 20-पॉइंट के लंबे मैच के बाद मेदवेदेव ने कैमरे पर '5 सेट नहीं' लिखकर हल्के अंदाज में अपनी उस छवि को दोहराया, जिसके तहत वह मेलबर्न में लंबे मुकाबलों के लिए जाने जाते हैं। नए कोच थॉमस जोहानसन और रोहन गोएट्जके के मार्गदर्शन में वह शारीरिक रूप से ज्यादा फिट और मानसिक रूप से मजबूत नजर आ रहे हैं। 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपनफाइनल, यूएस ओपन खिताब और रूस को एटीपी कप व डेविस कप जिताने वाले मेदवेदेव अब एक बार फिर उसी लय में लौटते दिख रहे हैं। तीसरे दौर में उनका सामना हंगरी के फैबियन मारोजान से होगा। दिन के एक अन्य मुकाबले में रूस के ही एंड्री रुबलेव ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए मैच में 13वें सीड रुबलेव ने पुर्तगाल के क्वालिफायर जैमे फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से हराया। हालांकि वर्ल्ड नंबर 151 फारिया ने तीसरे सेट में वापसी कर रुबलेव को थोड़ी देर के लिए परेशान किया, लेकिन अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर रुबलेव ने चौथे सेट में मैच खत्म कर दिया।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा-मैं पारी को अंत तक ले जाना चाहती थी

एजेंसी

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार नेतृत्व करते हुए नाबाद अर्धशतक जमाया और अपनी टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सात विकेट से जीत दिलाई। मैच के बाद जेमिमा ने ओपनिंग साझेदारी की अहमियत पर कहा, 'लिज़ेल और शैफाली एक बेहद खतरनाक ओपनिंग जोड़ी हैं। गेंदबाज़ों को पता होता है कि अगर उन्होंने थोड़ी भी गलती की, तो उसकी सजा मिलेगी। इस विकेट पर पावरप्ले में जिस तरह उन्होंने बल्लेबाज़ी की, वह हमारे लिए बहुत अहम रही। जब गेंद पुरानी हुई तो विकेट धीमा होने लगा, ऐसे में उनकी शुरुआत ने आगे आने वाले बल्लेबाज़ों का काम आसान कर दिया। अपनी पारी और मैच फिनिश करने को लेकर जेमिमा ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों में मैंने प्रभावशाली पारियां खेलीं, लेकिन मैं देर से बल्लेबाज़ी के लिए आ रही थी। मुझसे और ज्यादा उम्मीदें थीं और मैं खुद भी पारी को अंत तक खत्म करना चाहती थी। आज मैं खुश हूं कि मैं अंत तक टिक सकी और टीम के लिए जिम्मेदारी निभा सकी।' कप्तानी के शुरुआती अनुभव साझा करते हुए जेमिमा ने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का दौर है। मुझे लगा था कि कप्तानी से दबाव बढ़ेगा, लेकिन टीम और सपोर्ट स्टाफ ने वह दबाव काफी कम कर दिया है। हेड कोच जोनाथन बैटी और लीडरशिप ग्रुप ने मेरी काफी मदद की है। कप्तानी में आपको अपने फैसलों पर भरोसा रखना होता है और गलतियों से सीखना भी जरूरी है।

ईटीपीएलः यूरोप में शुरू हो रही नई टी20 लीग, अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है।

लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व फील्ड हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्व्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत, स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

एजेंसी

मैड्रिड। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया।

दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया।

अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

गुजरात की निरमा ठाकोर ने टाटा मुंबई मैराथन 2026 में रजत पदक जीता

एजेंसी

पाटण। गुजरात के पाटण जिला के हाजीपुर गांव की निरमा ठाकोर ने 19वीं टाटा मुंबई फुल मैराथन 2026 में इंडियन एलीट महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। वह प्रदेश की खेती बैंक की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली गरीब किसान परिवार की निरमा ठाकोर ने अपने अद्भुत दमखम का परिचय देते हुए चुनौतीपूर्ण 41.195 किलोमीटर की दूरी मात्र 2 घंटे 49 मिनट 07 सेकंड में पूरी कर इतिहास रच दिया। उनकी यह उपलब्धि केवल खेल की सफलता नहीं, बल्कि सहकार से समृद्धि का जीवंत उदाहरण है, जहां सहयोग व्यक्ति को सशक्त बनाता है। समुदाय को उन्नत करता है और सपनों को हकीकत में बदलता है। निरमा ठाकोर की यात्रा संघर्ष, त्याग और अटूट संकल्प की प्रेरणादायक कहानी है। आर्थिक कठिनाइयों और सामाजिक बाधाओं को पार करते हुए उन्होंने अब तक राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 19 से अधिक पदक अपने नाम किए हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि सही अवसर और सहयोग मिलने पर प्रतिभा इतिहास रच सकती है। गुजरात राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (खेती बैंक) की ब्रांड एम्बेसडर निरमा ठाकोर ने अथक मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर टाटा मुंबई मैराथन 2026 में रजत पदक जीतकर अपने सपनों को साकार किया है।

टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश टीम के भारत न आने के रुख का पाकिस्तान ने किया समर्थन: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत न भेजने के फैसले का पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने समर्थन किया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि बांग्लादेश किसके शह पर विश्व कप के लिए भारत न आने के अपने बयान को बार-बार दोहरा रहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी ने आईसीसी की गवर्निंग बॉडी को एक पत्र लिखा है जिसमें उसने बांग्लादेश के भारत में न खेलने के रुख का समर्थन किया है। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से इससे जुड़ा कोई भी सार्वजनिक बयान नहीं दिया गया है। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को अपना रुख स्पष्ट करने के लिए 21 जनवरी तक का वक्त दिया है। माना जा रहा है कि आईसीसी ने बुधवार को बोर्ड की बैठक बुलाई है। इसका उद्देश्य बीसीबी के भारत में सुरक्षा चिंताओं के कारण बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने के मामले पर बातचीत करना है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के समर्थन में पत्र आईसीसी के अंतिम निर्णय से ठीक पहले लिखा है। हालांकि, ये माना जा रहा है कि आईसीसी के रुख पर पीसीबी द्वारा लिखे पत्र का कोई असर नहीं पड़ेगा।

बीसीबी ने बांग्लादेश सरकार के सपोर्ट से टीम के ग्रुप-स्टेज गेम्स के लिए भारत आने से मना कर दिया है।

आईसीसी और बीसीबी इस मुद्दे पर कई बैठक कर चुके हैं। पिछले सप्ताह आखिरी बैठक ढाका में हुई थी। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा विश्व कप 2026 के लीग

मैचों को श्रीलंका शिफ्ट करने या फिर बांग्लादेश को दूसरे ग्रुप में रखने जैसी बात नहीं मानी है। आईसीसी का अब तक का स्टैंड यही रहा है कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम को अपने ग्रुप स्टेज के मैच भारत जाकर खेलने चाहिए। खिलाड़ियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीसीसीआई देखेगी।

बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने और मोहम्मद युनूस के काबिज होने के बाद अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है। हाल के दिनों में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा में भारी इजाफा हुआ है। भारत में हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का भारी विरोध किया है।

आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को केकेआर ने 9.2 करोड़ की बड़ी कीमत में खरीदा था। रहमान के आईपीएल में खेलने को लेकर विरोध था और भारी दबाव के बीच बीसीसीआई ने केकेआर को रहमान को रिलीज करने का आदेश दिया। बीसीसीआई के आदेश के बाद केकेआर ने रहमान को रिलीज कर दिया और इसी के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने की बात शुरू की।

स्टारडम को लेकर शाहिद कपूर का खुलासा

शाहिद कपूर विशाल भारद्वाज की नई फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 फरवरी को, वैलेंटाइन डे के ठीक पहले सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का टीजर पहले ही फैंस का दिल जीत चुका है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने स्टारडम के बारे में खुलकर बात की और साथ ही यह भी बताया कि वह अपने बच्चों को एक सामान्य परवरिश देना चाहते हैं।

खुद को स्टार क्यों नहीं मानते शाहिद?

शाहिद कपूर पिछले 23 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। बहुत बड़ी कामयाबी मिलने के बावजूद, वे खुद को स्टार कहना पसंद नहीं करते। वे खुद को सिर्फ एक्टर कहते हैं। हाल ही में इंटरव्यू में शाहिद ने बताया कि वे स्टार कहलाना क्यों नहीं चाहते। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सबक यह है कि असलीपन खुद को अच्छे से जानने से आता है, दूसरों की उम्मीदों में ढलने से नहीं।

स्टारडम को लेकर शाहिद की राय

शाहिद ने स्टारडम को लेकर कहा, प्रसिद्धि कभी-कभी बोझ बन जाती है और शोर-शराबे में अपनी असलियत भूल जाना आसान हो जाता है। शाहिद का मानना है कि एक एक्टर को सच्चा रहना चाहिए, अपने परिवार और करीबियों से जुड़े रहना चाहिए और काम पर फोकस करना चाहिए। खुद के साथ ईमानदार रहना ही असली सफलता और खुशी का रास्ता है।

कैसे पिता हैं शाहिद?

शाहिद कपूर एक बहुत अच्छे एक्टर हैं, जो काम और परिवार दोनों को संतुलन में रखते हैं। शाहिद कपूर के परिवार की बात करें तो वे दो बच्चों के प्यारे पापा हैं—बेटी मिशा और बेटा जैन। शाहिद चाहते हैं कि उनके बच्चे जितना हो सके सामान्य जीवन जिएं। वे बच्चों को अपनी स्टारडम के बारे में ज्यादा नहीं बताते। अगर कोई सवाल आता है तो माता-पिता की तरह प्यार से जवाब देते हैं।

करण औजला पर लगे चीटिंग के आरोपों के बाद पारुल गुलाटी ने तोड़ी चुप्पी

'आज मैं भी करण औजला के बारे में आपको कुछ बताऊंगीज'। इंस्टाग्राम पेज पर शनिवार को एक वीडियो पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस पारुल गुलाटी ने काफी कुछ बताया। हाल ही में पंजाबी सिंगर करण औजला पर शादी-शुदा होते हुए भी किसी दूसरी महिला के साथ रिश्ते में रहने के आरोप लगे हैं। यह आरोप एक एमएस गौरी नाम की महिला ने लगाए थे। इन्हीं खबरों के बीच पारुल ने करण औजला को लेकर क्या कहा, जानिए।

अपनी इंस्टाग्राम वीडियो में पारुल ने बताया कि वह कई साल पहले करण औजला के मिली थीं। करण ने उन्हें पहचान लिया था। यह बात पारुल के लिए काफी मायने रखती थी। करण औजला ने पारुल को इंस्टाग्राम पर फॉलो भी किया। लेकिन कुछ वक्त के बाद अनफॉलो कर दिया। इस बात का उन्हें काफी दुख है। लेकिन पारुल कहती हैं, 'करण ने मुझे अनफॉलो किया, इसका एक ही कारण हो सकता था कि वो अपनी पत्नी को सिक्योर फील करना चाहते हों। वह अपनी पत्नी को खुश रखने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। इसलिए जो लड़की उन पर चीटिंग के आरोप लगा रही है, क्या उसे पता नहीं था कि करण औजला पहले से शादी-शुदा है।'

आरोपों को पारुल ने झूठा बताया

पारुल आगे अपनी वीडियो में कहती हैं कि इस पूरे मामले का फायदा आरोप लगाने वाली लड़की को हुआ है। उसके ही फॉलोअर्स सोशल मीडिया पर बढ़ गए हैं। इस तरह पारुल गुलाटी ने सिंगर करण औजला को अपना सपोर्ट दिया। उनके लिए जो आरोप लगाए गए हैं, उन सबको झूठा करार दे दिया है।

एक बार फिर जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगे अनिल कपूर

बॉलीवुड के एवर यंग एक्टर अनिल कपूर 69 साल की उम्र में भी काफी फिट हैं और फिल्मों में लगातार सक्रिय है। अब अनिल कपूर के हाथ साउथ की एक फिल्म लगी है। जिसमें वो जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगे। अनिल कपूर ने आज इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी के जरिए ये कंफर्म किया कि वो जूनियर एनटीआर की प्रशांत नील द्वारा निर्देशित फिल्म 'ड्रैगन' में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अनिल कपूर ने तेलुगु सिनेमा में वापसी की। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक आईएमडीबी की फोटो शेयर की है। इसमें फिल्म 'ड्रैगन' को 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल किया गया है। इसमें ड्रैगन की स्टारकास्ट में जूनियर एनटीआर और फिल्म की बाकी कास्ट के साथ अनिल कपूर का नाम भी शामिल है।

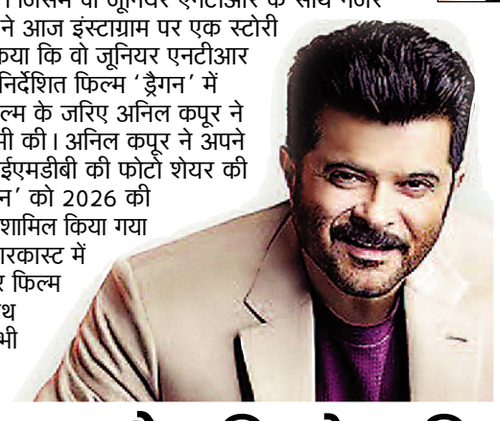

मृणाल ठाकुर-धनुष की शादी की खबरें फर्जी

पिछले कुछ दिनों से साउथ स्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की शादी की खबरें सुर्खियों में हैं। फी प्रेस जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया कि धनुष और मृणाल 14 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, हालांकि अब एक्टर की करीबी दोस्त ने इन खबरों का खंडन किया है। साथ ही एक्ट्रेस की टीम ने भी खबरों को अफवाह कहा है। इसी बीच अब मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर खुद को अडिग कहा है। रिपोर्ट में धनुष के सबसे करीबी दोस्त, डायरेक्टर-प्रोड्यूसर के हवाले से लिखा गया है, धनुष और उनकी पूर्व पत्नी (ऐश्वर्या रजनीकांत) कानूनी तौर पर अलग हुए, तो दोनों ने मिलकर दोनों बच्चों यात्रा और लिंगा की मिलकर परवरिश करने का फैसला किया। जहां तक मुझे पता है, धनुष दोबारा शादी करने का इच्छुक नहीं है। वह अपने बेटों के लिए घर में सौतेली मां नहीं लाना चाहता।

मृणाल की टीम ने भी किया खंडन

बातचीत में मृणाल ठाकुर की टीम से जुड़े शख्स ने मृणाल और धनुष की शादी की खबरों को बेबुनियाद कहा है। उनका कहना है कि बिना किसी वजह कुछ लोग ये खबरें फैला रहे हैं। मृणाल ठाकुर ने शनिवार को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से यॉट का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, जमीन से जुड़ी हुई, ग्लोइंग और अडिग।

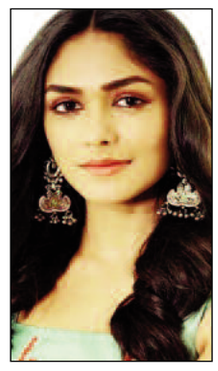

नयनतारा और विग्नेश शिवन ने अजित कुमार का किया सपोर्ट, रेसिंग जर्नी पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री

अभिनेत्री नयनतारा और उनके पति, निर्देशक विग्नेश शिवन, शनिवार को दुबई ऑटोड्रोम पहुंचे। वे वहां तमिल सुपरस्टार अजित कुमार को हौसला देने के लिए गए थे। अजित ने अपनी टीम अजित कुमार रेसिंग के साथ दुबई 24॥ सीरीज नाम की एक बड़ी कार रेसिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके कई वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री भी बनेगी। कई वीडियो इंटरनेट पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें अजित नयनतारा और विग्नेश शिवन का गर्मजोशी से स्वागत करते दिख रहे हैं। वे उन्हें अपनी टीम के बाकी सदस्यों से मिलवाते हैं और सबके साथ अच्छी बातचीत करते हैं। पिछले हफ्ते म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध ने भी अबू धाबी में अजित से मुलाकात की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बन रही है। इसे निर्देशक ए.एल. विजय बना रहे हैं। यह फिल्म करीब 90 मिनट की होगी और इसका मकसद युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, मोटरस्पोर्ट को भारत में लोकप्रिय बनाना है, क्योंकि कई लोग इसे अभी भी अमीरों का खेल मानते हैं। फिल्म में मलेशिया, अबू धाबी और दुबई की रेसों के अलावा अजित की तैयारी, स्ट्रैटेजी मीटिंग्स और प्रैक्टिस सेशन भी दिखाए जाएंगे। यह डॉक्यूमेंट्री अगले साल 1 मई को अजित के जन्मदिन पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लंबा हुआ प्रभास के फैंस का इंतजार, टी-सीरीज ने दी बड़ी अपडेट

संदीप रेड्डी वांगा की प्रभास स्टारर फिल्म 'स्पिरिट' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। नए साल के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करके फैंस को चौंका दिया था। इसके बाद से ही फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने आज फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है। जिसके बाद फैंस का इंतजार अब लंबा होने वाला है।

5 मार्च 2027 को रिलीज होगी फिल्म

टी-सीरीज की ओर से 'स्पिरिट' को लेकर आज एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है। मेकर्स ने स्पष्ट कर दिया कि 'स्पिरिट' 5 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जाहिर की इस रिलीज डेट के सामने आने के बाद इस साल फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे फैंस को थोड़ा झटका जरूर लगा है। 1 जनवरी को नए साल के मौके पर मेकर्स द्वारा फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने के बाद फैंस को उम्मीद जगी थी कि फिल्म इसी साल के अंत तक रिलीज हो सकती है। लेकिन आज मेकर्स ने ये स्पष्ट कर दिया कि अभी फिल्म के लिए एक साल से भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ेगा।

नए साल पर आया था फिल्म का फर्स्ट लुक

1 जनवरी को नए साल के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें प्रभास और तृप्ति साथ में नजर आए थे। इसमें प्रभास शर्टलेस होकर दूसरी तरफ मुंह करे खड़े हुए हैं। उनकी पीठ पर कई जगह पट्टी बंधी हुई है और चोट के निशान नजर आ रहे हैं। बड़े बाल, आंखों पर चश्मा और मुंह में सिगरेट लगाए हुए प्रभास का साइड लुक भी काफी दमदार लग रहा है। जबकि तृप्ति लाइटर लिए प्रभास की सिगरेट जला रही हैं। दोनों का ये फर्स्ट लुक काफी वायरल हुआ था।

दीपिका को तृप्ति ने किया रिप्लेस

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं। लेकिन 8 घंटे काम की शिफ्ट को लेकर रखी गई मांग के चलते दीपिका इस फिल्म से बाहर हो गईं। इसको लेकर दीपिका और संदीप रेड्डी वांगा के बीच तल्खियां भी देखने को मिलीं। दीपिका के फिल्म से हटने के बाद मेकर्स ने फिल्म में तृप्ति डिमरी को शामिल किया। तृप्ति इससे पहले संदीप के साथ 'एनिमल' में भी काम कर चुकी हैं, जो उनके लिए एक गेम चेंजर साबित हुई है।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुईं रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की।

16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी

30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं।

उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था

उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था।

'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना'

जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आएगी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

चाह थी कि माता-पिता एक बेहतर जिंदगी दे सकूं

मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए।

पैसे भी नहीं होते थे लेकिन सपने बहुत होते थे

पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूं, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अधूरी इच्छाएं पूरी की हैं।

पहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहीं

साथिया से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियां लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियां आती थीं। मेरे डैडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401